संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 69
पृष्ठ 8
बुधवार
26 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नॉर्मल डिलीवरी के बाद आराम है....

विचार- श्रम संहिताएं शोषण का नया ...

खेल- बल्लेबाजी में दम नहीं, धैर्य की...

भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके रहूँगा : मोदी

अयोध्या, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर औपचारिक रूप से धर्म ध्वज फहराया और कहा कि भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके ही रहेंगे। इस दौरान उन्होंने राम के अस्तित्व को नकारने वालों को भी निशाने पर लिया। श्री मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे। ऐतिहासिक ध्वजारोहण से ठीक पहले शेषावतार मंदिर में पूजा–अर्चना की। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं संपूर्ण विश्व के करोड़ों राम भक्तों को इस अविस्मरणीय क्षण की इस अद्वितीय अवसर की शुभकामनाएं देता हूं। श्री मोदी ने कहा, मैं आज उन सभी भक्तों को भी प्रणाम करता हूं हर उस दानवीर को भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए अपना सहयोग दिया। मैं राम मंदिर निर्माण से जुड़े हर श्रमवीर, हर कारीगर, हर योजनाकार, हर वास्तुकार का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आने वाली सदियां और सहस्र शताब्दियों तक ये धर्म ध्वज प्रभु राम के आर्दशों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, ये धर्म ध्वज आह्वान करेगा कि सत्य की जीत होती है असत्य की नहीं। ये धर्म ध्वज उद्घोष करेगा कि सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है। सत्य में ही धर्म स्थापित है। ये धर्म धर्म ध्वज प्रेरणा बनेगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए यानी जो कहा वही किया जाए। श्री मोदी ने कहा, ष्आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और बिंदु की साक्षी बन रही है। आज संपूर्ण भारत और विश्व राममय है। हर राम भक्त के हृदय में अपार अलौकिक आनंद है. सदियों के घाव भर रहे हैं। आज सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें जनता के सुखों को सर्वोपरि रखकर आगे बढ़ना है। पांच सौ वर्षों का सपना साकार हुआ है। आने वाले 1000 वर्षों की नीव को मजबूत करना है। श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनने के लिए राम के आदर्शों को जीना होगा। उन्होंने कहा कि जब हम अपनी जड़ों से कट जाते हैं तो सारा वैभव समाप्त हो जाता है। गौरतलब है कि 10 फुट ऊंचे और 20 फुट लंबे समकोण वाले तिकोने ध्वज पर एक चमकते सूरज की तस्वीर है, जो भगवान श्री राम की चमक और वीरता का प्रतीक है, और इस पर कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ श्ध्श लिखा है। श्री मोदी ने अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 55 मिनट पर ध्वज फहराया। प्रधानमंत्री ने जो धर्म ध्वज फहराया वो राम मंदिर के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है।

बटन दबते ही मंदिर के शीर्ष पर फहराया ध्वज, मोदी हुए भावुक; आंसू पोछते दिखे साधु- संत

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण पूरा हुआ। पीएम मोदी के बटन दबाते ही झंडा धीरे–धीरे ऊपर चढ़ता हुआ मंदिर के शीर्ष पर विराजमान हो गया। जैसे–जैसे झंडा ऊपर चढ़ता गया पीएम मोदी टकटकी लगाए उसे देखते रहे। पीएम मोदी इन पलों में भावुक नजर आए। ध्वजारोहण के समय सामने की कतार में साधु–संत बैठे हुए थे। वह भी भावुकता में अपने आंसू पोछते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में देश–दुनिया के करीब आठ हजार लोग आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित शुभ मुहूर्त में प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के मुख्य शिखर पर धर्मध्वज फहराया। जैसे ही केसरिया ध्वज पवन के संग लहराया, पूरा परिसर 'जय

जैसा सपना देखा था, उससे भी भव्य और दिव्य राम मंदिर बना है : मोहन भागवत

अयोध्या, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ श्रीराम मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण के लिए पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 500 सालों का सपना साकार हुआ है। हमने जैसा सपना देखा था बिल्कुल वैसा ही या उससे भव्य मंदिर बन गया है इसके लिए सबको शुभकामनाए देता हूँ। आरएसएस प्रमुख ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुक्रिया अदा किया और कहा, आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। इतने लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किए उनको शांति मिली होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। आज करोड़ों लोगों की आस्था साकार हुई। श्री भागवत ने कहा कि लोगों को लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी। आज धर्मध्वज को नीचे से ऊपर शिखर पर विराजमान होते हुए देखा है। मंदिर के रूप में हमने कुछ तत्वों को ऊपर पहुंचाया है। इससे सबका जीवन अच्छा चलेगा। यह धर्म ध्वज है। इसपर रघुकुल का प्रतीक चिह्न भी है। यह रघुकुल की छाया का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ हों धर्म ध्वजा को हमेशा ऊपर रखना है। बिना थके सूर्य भगवान प्रतिदिन दर्शन करते हैं। कार्य की सिद्धि के लिए गतिमान होना ज़रूरी है। हमको सामर्थ्यवान भारत खड़ा करना है। यह धर्म और ज्ञान पूरी दुनिया में बाटने का काम शुरू हो गया है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस देश में जन्म लेने वाले लोगों ने धर्म के रास्ते पर चलने की सीख दी है। सबके लिए समान सुख देने वाला भारत खड़ा करना है। जैसा सपना देखा था बिल्कुल वैसा ही या उससे भव्य मंदिर बन गया है इसके लिए सबको शुभकामनाए देता हूँ।

स्वास्थ्य सुरक्षा प्रत्येक परिवार का अधिकार : रेखा

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि स्वास्थ्य सुरक्षा प्रत्येक परिवार का अधिकार है और यही हमारी सरकार का संकल्प है। श्रीमती गुप्ता ने मंगलवार को यहाँ शक्ति नगर से अलग–अलग जिलों में 70 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, "शक्ति नगर से आज दिल्ली के विभिन्न जिलों में 70 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का शुभारंभ हुआ है। दिल्ली सरकार राजधानी में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की संख्या लगातार बढ़ा रही है, क्योंकि हमारा लक्ष्य है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आपके घर के पास, आपकी कॉलोनी में उपलब्ध हों।" उन्होंने कहा, "इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में नियमित स्वास्थ्य जांच, डॉक्टर परामर्श, आवश्यक दवाइयां, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, प्रिवेंटिव हेल्थकेयर, सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग और टीकाकरण जैसी सुविधाएं मुफ़्त उपलब्ध हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, राष्ट्रीय राजधानी एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर अग्रसर है, जहां न दूरी बाधा बने, न खर्च बोझ बने और न स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचना चुनौती बने। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, जनऔषधि केंद्र, वय वंदना योजना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर मिलकर दिल्ली में एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण कर रहे हैं, जहां बेहतर इलाज हर किसी का अधिकार है, दवाइयां किफ़ायती हैं और आधुनिक सुविधाएं हर नागरिक की पहुंच में हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा प्रत्येक परिवार का अधिकार है और यही हमारी सरकार का संकल्प है।

स्टर्लिंग ग्रुप के प्रमोटरों को सुप्रीम कोर्ट की राहत, 5100 करोड़ रु. जमा करने पर संदेसरा बंधुओं के केस बंद होंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में घ्5,100 करोड़ के समझौते के तहत स्टर्लिंग बायोटेक लिमिटेड और स्टर्लिंग एसईजेड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रवर्तकों, भगोड़े व्यवसायियों नितिन और चेतन संदेसरा के खिलाफ सभी आपराधिक कार्यवाही रद्द करने पर सहमति जताई है। एक छोटे से चाय–व्यापार व्यवसाय को एक विविध समूह में बदलने वाले अरबपति भाई, भारतीय बैंकों से 1.7 अरब डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी के आरोप के बाद 2017 में देश छोड़कर भाग गए थे। बाद में, उन्हें 2018 में किंगफिशर एयरलाइंस के संस्थापक विजय माल्या और हीरा व्यापारी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ 14 भगोड़े आर्थिक अपराधियों की सूची में शामिल किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े स्टर्लिंग ग्रुप के प्रमोटर नितिन और चेतन संदेसरा को बड़ी राहत देते हुए आदेश दिया है कि यदि वे 5100 करोड़ रुपए जमा कर देते हैं, तो उनके खिलाफ चल रही सभी लंबित आपराधिक और जांच कार्यवाहियां पूर्णतः समाप्त मानी जाएंगी। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने यह आदेश पिछले सप्ताह जारी करते हुए स्पष्ट किया कि यह फैसला मामले की विशिष्ट परिस्थितियों में दिया गया है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर नहीं देखा जाएगा। संदेसरा भाई, जिन्होंने चाय के छोटे व्यवसाय से शुरुआत कर स्टर्लिंग ग्रुप बनाया, पर 2017 में भारतीय बैंकों से 1.7 बिलियन डॉलर (करीब 12,000 करोड़ रु.) की धोखाधड़ी का आरोप लगा था। इसके बाद वे देश छोड़कर फरार हो गए और 2018 में विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ 14 भगोड़े आर्थिक अपराधियों की सूची में शामिल किए गए। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार कथित घोटाले की रकम 5383 करोड़ रुपए थी।

ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ : योगी

अयोध्या, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां मंगलवार को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण समारोह के दौरान कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान एवं आत्मगौरव का प्रतीक है। श्री योगी ने अपनी बातों का आगाज सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी, सरयू मैया की जय, भारत माता की जय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। मुख्यमंत्री के साथ ही समूचा मंदिर परिसर जय–जयकार से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीरामभक्तों की अखंड साधना–संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण उस सत्य का उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है और रामराज्य के मूल्य कालजयी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में जब नेतृत्व संभाला था, उसी दिन कोटि–कोटि भारतवासियों के मन और हृदय में जिस संभावना, संकल्प व विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या, अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा आपके कर कमलों के माध्यम से साकार होकर भव्य राम मंदिर के रूप में भारतवासियों एवं सनातन धर्मावलंबियों के समक्ष है। श्री योगी ने कहा कि श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य–न्याय एवं राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। यह विकसित भारत की संकल्पना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्ष में बदलते भारत को देखा है। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं, जहां विकास और विरासत का बेहतरीन समन्वय है। यह इसे नई ऊंचाई प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों को राशन, 50 करोड़ लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा, हर जरूरतमंद को आवास, हर व्यक्ति बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ पा रहा है तो यह रामराज्य की वह उद्घोषणा है, जिसका आधार विकसित भारत है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन–जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। श्री योगी ने कहा कि एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष, बदहाली का शिकार बन चुकी थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में अयोध्या उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है। यहां हर दिन पर्व है, हर दान प्रताप है और हर दिशा में रामराज्य की पुनर्स्थापना की दिव्य अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि रामलला की पावन नगरी आस्था एवं आधुनिकता, आस्था एवं अर्थव्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। यहां बेहतर कनेक्टिविटी है। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, पंचकोसी और 14 कोसी के साथ 84 कोसी की परिक्रमा श्रद्धालुओं व भक्तों को नया मार्ग व आस्था को नया सम्मान प्रदान कर रही है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम में आस्था, आधुनिकता, आस्था और अर्थव्यवस्था का नया केंद्र दिख रहा है। देश की पहली सोलर सिटी–सस्टेनबल स्मार्ट रूप में नई अयोध्या का दर्शन हो रहा है। आज का दिन हर भारतवासी, सनातन धर्मावलंबी के लिए आत्मगौरव–राष्ट्रगौरव का दिन है।

ममता का भाजपा पर तीखा प्रहार: मुझे हराने का दम नहीं, चुनाव आयोग अब बीजेपी कमीशन

कोलकाता, एजेंसी। विधानसभा चुनाव अभी कुछ महीने दूर हैं। उससे पहले बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सियासत गरमा गई है। इसी माहौल में मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बोंगांव में एक सभा की। एसआईआर विरोधी रैली में ममता ने कहा कि भाजपा राजनीतिक रूप से मेरा मुकाबला नहीं कर सकती और न ही मुझे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि 'इलेक्शन कमीशन' अब एक निष्पक्ष संस्था नहीं रह गई है, यह 'बीजेपी कमीशन' बन गई है। बनर्जी ने सवाल किया कि क्या भाजपा शासित राज्यों में एसआईआर का आयोजन यह दर्शाता है

कि केंद्र सरकार स्वीकार करती है कि वहां घुसपैठिया मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि मैं बीरभूम में पैदा हुई, वरना मुझे भी बांग्लादेशी कहते। अपने भाषण की शुरुआत में ममता ने हेलीकॉप्टर को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा, ष्मैं हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं करती। मैं कार से चलती हूँ। राज्य सरकार के पास एक हेलीकॉप्टर है। यह किराए पर है। मुझे सुबह 10 बजे यहाँ आना था। सुबह अचानक पता चला कि हेलीकॉप्टर नहीं जाएगा। चुनाव से पहले ही झगड़ा शुरू हो गया था। लेकिन मेरे लिए यह अच्छा रहा। रास्ते में कई जगह घूमा। लोगों से बातें कीं। उन्होंने दावा किया कि मैंने भाजपा से कहा कि मैं जो खेल खेलूँगी, उसमें मुझे कोई छू नहीं सकता। गलियों में घूमने से मेरा संपर्क और भी लोगों से हुआ है। एसआईआर के बारे में उन्होंने कहा कि एसआईआर कराने में तीन साल लगते हैं। 2002 में भी यही हुआ था। हमने कहा था कि कोई भी वैध मतदाता छूटेगा नहीं। अब नियम बदल रहे हैं।

इथियोपियाई ज्वालामुखी राख का कहर: भारत में 7 उड़ानें रद्द, 12 विलंबित

नईदिल्ली, एजेंसी। ज्वालामुखी की राख के कारण हवाई क्षेत्र की स्थिति प्रभावित होने के कारण मंगलवार को सुबह 1 बजे से शाम 6 बजे के बीच संचालित होने वाली सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसी अवधि के दौरान बारह अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी विलंबित हुईं क्योंकि एयरलाइनों ने राख से संबंधित व्यवधान के जवाब में परिचालन में बदलाव किए। आने वाली और जाने वाली दोनों सेवाएँ प्रभावित हुईं, और एयरलाइनों ने मौजूदा सुरक्षा आकलन के आधार पर उड़ानों की गति को समायोजित किया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट से उत्पन्न राख के बादल मंगलवार शाम 7:30 बजे तक भारत के आसमान से साफ हो जाने की संभावना है, जिससे देश के विभिन्न हिस्सों में रिपोर्ट की गई गड़बड़ी का अपेक्षित अंत हो जाएगा। उत्तर–पश्चिम भारत से गुज़रने वाला और कुछ समय के लिए उड़ानों को बाधित करने वाला यह धुआँ अब चीन की ओर बढ़ने लगा है। राख का यह गुबार सोमवार को गुजरात में प्रवेश कर गया था और रातोंरात राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली–एनसीआर, हरियाणा और पंजाब सहित कई क्षेत्रों में फैल गया। यह विस्फोट इथियोपिया के अफ़ार क्षेत्र में स्थित एक ढाल ज्वालामुखी, हेली गुब्बी से हुआ, जिसने लगभग 10,000 वर्षों में अपनी पहली बड़ी गतिविधि दिखाई और राख को 14 किलोमीटर तक ऊँचा उठाया।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का आह्वान, संविधान दिवस पर मनाएगी 'संविधान बचाओ दिवस'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी सभी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे 26 नवंबर को देश भर के प्रदेश कांग्रेस समितियों (पीसीसी) कार्यालयों और जिला मुख्यालयों में श्संविधान बचाओ दिवसश के रूप में मनाएँ। पत्र में, कांग्रेस ने इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों से आह्वान करती है कि वे 26 नवंबर को देश भर में संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाएँ। हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं और हमारे संविधान की मूल भावना के समक्ष अभूतपूर्व चुनौतियों को देखते हुए इस वर्ष का यह दिवस अत्यंत महत्वपूर्ण है। पार्टी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान में निहित मूलभूत मूल्य, जिनमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की सुरक्षा शामिल है, वर्तमान में स्पष्ट रूप से दबाव में हैं। पत्र में आगे इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि देश संवैधानिक नैतिकता और लोकतंत्र के लिए ख़तरा है। पत्र में कहा गया है कि देश संविधान पर बढ़ते हमले का गवाह बन रहा है, जिसमें व्यवस्थित रूप से वोटों की चोरी, चुनावी कदाचार, संस्थाओं का दुरुपयोग और मतदाता सूची को विकृत करने के संदिग्ध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)–चालित प्रयास शामिल हैं। ये कार्रवाइयाँ हमारी संवैधानिक नैतिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं के मूल पर प्रहार करती हैं। इन ख़तरों को लोगों के सामने उजागर करना और संविधान, उसकी संस्थाओं और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। कांग्रेस ने सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों से प्रत्येक ज़िला मुख्यालय पर गंभीरता, अनुशासन और अधिकतम भागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। सुझाई गई गतिविधियों में सेमिनार, संगोष्ठियाँ और चर्चाएँ शामिल हैं। संविधान दिवस, जिसे संविधान दिवस के रूप में भी जाना जाता है, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को ऐतिहासिक रूप से अपनाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है, जो एक ऐसा मील का पत्थर था जिसने देश के लोकतांत्रिक शासन और कानून के शासन की नींव रखी।

प्रयागराज में चलती कार में भीषण आग

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार दोपहर चलती कार में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। कार में सवार साधु बोनट से धुआं उठते ही गाड़ी से बाहर निकल गए। हालांकि इस दौरान उन्होंने कार से अपना सामान भी निकाल लिया। वह दौड़ते हुए दूर भागे तब तक आग लपटों से घिर गई। आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर सर्विस को फोन किया। दमकल ने पहुंच आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल गई थी। हादसा शहर के तेलियरगंज इलाके में आर्मी छावनी रसूलाबाद घाट मार्ग पर हुआ। कार में भीषण आग से देख आसपास के लोग जमा हो गए। गमीमत रही कि कार सवार वक्त पर गाड़ी छोड़कर हट गए थे। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है। जिस कार में आग लगी वह रिनॉल्ड क्वीट है। कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र के यदुवीरपुर के रहने वाले बाबा महेंद्र महेंद्र कुमार मिश्र कार चला रहे थे। कार बैक करते वक्त अचानक आग लग गई। रविवार को भी प्रयागराज शहर में एक कार जल गई थी। इससे पहले कानपुर हाईवे पर चलती कार में आग लग गई थी।

10वीं के छात्र की बेल्ट-डंडों से पिटाई, प्रयागराज में स्कूल से निकलते ही हमला, दोस्तों पर आरोप

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के हंडिया में सेंट थॉमस स्कूल के 10वीं के छात्र को उसी के क्लास में पढ़ने वाले दो छात्रों ने कुछ अज्ञात युवकों के साथ मिलकर रास्ते में घेरकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है। परिजनों के मुताबिक, घटना तब हुई जब उनका बेटा स्कूल से घर लौट रहा था। इसी दौरान उसे दो सहपाठियों ने कुछ अन्य युवकों के साथ मिलकर रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उसकी पिटाई की गई। वह चीखता रहा लेकिन उस पर ताबड़तोड़ वार करते रहे। वीडियो में उसे जमीन पर गिराकर लगातार लात-घूंसों से मारते हुए देखा जा सकता है। घायल छात्र को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। क्ब्ट गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि घटना में छात्र को सामान्य चोट आई थी। डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया, जिसके बाद उसे घर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जा रही है। दोनों पक्षों के बीच झगड़ा किस बात को लेकर हुआ, यह जांच की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने स्कूल प्रिंसिपल से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि स्कूल में किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। उनके अनुसार, "स्कूल में झगड़ा होने के बाद बच्चे बाहर निकले और वहीं जाकर आपस में मारपीट कर ली।" घायल छात्र के परिजनों ने कहा कि सहपाठियों द्वारा बाहरी लोगों के साथ मिलकर हमला करना गंभीर अपराध है। उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

प्रयागराज में कैंट थाना प्रभारी अपने ही थाने में नामजद

प्रयागराज (संवाददाता) प्रयागराज के कैंट थाने में इसी थाने के प्रभारी सुनील कुमार पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि एक मामले में कोर्ट के आदेश के 14 महीनों बाद भी इंस्पेक्टर ने रिपोर्ट नहीं दर्ज की। बार-बार आदेश के बावजूद रिपोर्ट भी नहीं दी। स्पेशल जज, एससी-एसटी कोर्ट के आदेश पर हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। कैंट निवासी दिनेश चंद्र गौतम की ओर से पिछले साल सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत कोर्ट में अर्जी दी गई। इसमें एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने अपराध के संज्ञेय प्रकृति का होने के आधार पर अर्जी मंजूर की और 21.09.2024 को एफआईआर दर्ज कर विवेचना कराये जाने का आदेश दिया। थाना कैंट के पैरोकार ने 01.10.2024 को आदेश की प्रति भी प्राप्त कर ली। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि एफआईआर की कॉपी दो दिन के अंदर कोर्ट में पेश की जाए। हालांकि कंप्लायंस रिपोर्ट और एफआईआर की कॉपी, दोनों ही कोर्ट में नहीं पेश की गई। 23.09.2025 को प्रार्थी दिनेश चन्द्र गौतम की ओर से कोर्ट में फिर अप्लीकेशन देकर बताया गया कि कोर्ट के आदेश के बावजूद एफआईआर नहीं दर्ज की गई। इस पर कोर्ट ने थाना कैंट से रिपोर्ट मंगाए जाने का आदेश दिया। कहा गय कि 18.10.2025 तक यह स्पष्ट रूप से बताएं कि एफआईआर दर्ज की गई या नहीं। इसके बावजूद थाना कैंट से तय दिनांक तक आख्या प्राप्त नहीं हुई। अगली दिनांक 04.11.2025 तय की गई लेकिन थाने से रिपोर्ट नहीं मिली। कोर्ट ने कहा कि प्रभारी अधिकारी ध् थानाध्यक्ष कैण्ट प्रयागराज का यह कृत्य न केवल न्यायालय के आदेश का कंटेम्पट है बल्कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा एस.सी.ध्एस.टी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। पुलिस अधिकारी के रूप में प्रभारी अधिकारीध्थानाध्यक्ष कैण्ट प्रयागराज न्यायालय के प्रत्येक आदेश के सम्यक, त्वरित एवं प्रभावी अनुपालन के लिये कर्तव्यबद्ध हैं। इसी प्रकार भा.ना.सु.सं. की धारा 173 में किसी संज्ञेय अपराध की सूचना प्राप्त होने पर प्राथमिकी पंजीकृत किया जाना आज्ञापक विधिक अनिवार्यता है। इसके बावजूद उन्होंने कोर्ट के आदेश के बाद भी आदेश के अनुपालन में एफआईआर नहीं दर्ज की।ऐसे में एफआईआर दर्ज की जाए। 45 साल के सुनील कुमार 14 फरवरी 2024 से कैंट थाने के प्रभारी के रूप में तैनात हैं। 2006 में वह एसआई पद पर पुलिस विभाग में भर्ती हुए और 2022 में प्रमोट होकर इंस्पेक्टर बने। वह मूल रूप से सुल्तानपुर के रहने वाले हैं। हाल ही में उनका थाना तब चर्चा में आया था जब यहां नाबालिग छात्रा को अगवा कर उसकी बेरहमी से उसके ही प्रेमी ने मार डाला था।

प्रयागराज के शिक्षक दिल्ली प्रदर्शन में भर रहे हुंकार

शहर के शिक्षक पहुंचे, सोशल मीडिया पर वीडियो-फोटो शेयर कर रखी अपनी मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। टीईटी अनिवार्यता को खत्म करने की मांग को लेकर देशभर के शिक्षक नई दिल्ली में जुट आंदोलन कर रहे हैं। प्रयागराज शिक्षकों हब कहलाता है। ऐसे में संगम नगरी के शिक्षकों का कई गुट इस आंदोलन को धार देने के लिए दिल्ली पहुंचा है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे जोरदार प्रदर्शन में प्रयागराज के शिक्षक बड़ी संख्या में हुंकार कर रहे हैं।

प्रयागराज के शिक्षकों का दिल्ली जाने का सिलसिला अभी भी जारी है। वह आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि जब तक मांगे नहीं मानी जाती वह दिल्ली के बाद यूपी के शहरों में आंदोलन को आगे बढ़ाते रहेंगे। शिक्षक नेता धरना प्रदर्शन की तस्वीरें, वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में हुए इस धरने में लाखों शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

प्रयागराज से पहुंचे शिक्षकों के समूह सोशल मीडिया के माध्यम से भी विरोध प्रदर्शन जता रहे हैं। धरना स्थल पर मौजूद लाखों शिक्षकों ने प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर रहे हैं।

शिक्षक संगठनों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि शीतकालीन सत्र में अध्यादेश लाकर 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य न किया जाए। संगठनों का कहना है कि एनसीटीई के फैसले से करीब 10 लाख शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 1. 86 लाख शिक्षक उत्तर प्रदेश के हैं। मोर्चा के राष्ट्रीय सह संयोजक अनिल यादव ने कहा कि यह फैसला शिक्षकों की कई सालों की सेवा और योग्यता पर सवाल खड़ा करता है। राज्यों के शिक्षा विभाग लगातार शिक्षकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं, फिर भी उनकी काबिलियत पर संदेह जताना उचित नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो शिक्षक संगठन दिल्ली घेराव के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने तय किया कि वे स्कूलों में जाकर काली पट्टी बांधकर पढ़ाएंगे, ताकि विरोध जारी रहे। अब सबकी निगाहें संसद के शीतकालीन सत्र पर टिकी हैं, जहां से उन्हें किसी राहत की उम्मीद है।

1992 करोड़ के घोटाले में 23 हजार पेज की चार्जशीट

ईडी प्रयागराज का वाराणसी के जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज घोटाले में बड़ा एक्शन।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाराणसी की जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज में हुए लगभग दो हजार करोड़ के घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी प्रयागराज यूनिट ने पीएमएलए यानी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत दर्ज केस में 23,000 पेज की प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट यानी चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। जांच में सामने आया है कि कंपनी ने बैंक से लिए गए करोड़ों रुपये फर्जी कंपनियों में दिखाकर अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किए और इस तरह बैंकों को करीब 1992 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। कंपनी की 878.67 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी अटैच की जा चुक है।

क्या है मामला?

ईडी ने यह जांच पूर्व में सीबीआई लखनऊ की ओर से दर्ज एफआईआर और आरोप पत्र के आधार पर शुरू की थी। सूत्रों का कहना है कि जांच में पता चला कि जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, इसके प्रमोटर सत्य नारायण झुनझुनवाला, उनके सहयोगियों और कागजी कंपनियों ने मिलकर एक सुनियोजित आपराधिक साजिश रची।

80 करोड़ से ज्यादा की कार्यशील पूंजी का दुरुपयोग

कंपनी ने कोलकाता स्थित अनिल खेमका द्वारा नियंत्रित कागजी संस्थानों के माध्यम से 80 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि और कार्यशील पूंजी को डाइवर्ट किया। ये धनराशि आगे समूह की कंपनियों, प्रमुख प्रबंधन कर्मियों और सहयोगियों को भेजी गई। इस धन का इस्तेमाल जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के करीब 49.06: शेयर अधिग्रहण के लिए किया गया, जिससे प्रमोटरों और सहयोगियों ने कंपनी पर मजबूत नियंत्रण बना लिया।

फर्जी अकाउंट्स और बैलेंस शीट से हेराफेरी

जांच में यह भी सामने आया कि जब कंपनी घाटे में जाने लगी, तब प्रबंधन ने लाभ-हानि खातों, स्टॉक इन्वेंटरी, शेयर स्टॉक जैसे वित्तीय रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया। फर्जीवाड़े के आधार पर कंपनी ने बैंकों से अतिरिक्त ऋण हासिल किए, जो बाद में एनपीए में बदल गए। इस तरह की धोखाधड़ी के कारण बैंकों के संघ को लगभग 1992 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

संपत्तियों को बचाने के लिए दो ट्रस्ट बनाए

जांच में यह भी सामने आया कि वित्तीय संकट गहराते ही प्रमोटरों ने गबन की गई

रकम और संपत्तियों को कानूनी कार्रवाई से बचाने के लिए महालक्ष्मी इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और रत्न प्रिया इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट बनाया। इन ट्रस्टों के माध्यम से लेन-देन कर शेयरों और परिसंपत्तियों का जटिल नेटवर्क तैयार किया गया, ताकि कुर्की से बचा जा सके।

अब तक कितनी संपत्ति कुर्क हुई

31 जुलाई 2024 : 814.31 करोड़

29 अप्रैल 2025 : 64.36 करोड़

कुल कुर्की का आंकड़ारू 878.67 करोड़

(कुर्क की गई संपत्तियां जेवीएल समूह की कागजी कंपनियों नीलांबर ट्रैक्सिम एंड क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड, बेस्टार कंक्रीट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, बैंड बाजार डेवलपर्स LLP, सुप्रीम टेक्नोफैब्स प्राइवेट लिमिटेड, सोनम झुनझुनवाला, कोमल केडिया और रामा शंकर खेमका के नाम पर हैं)

चार्जशीट में क्या ?

23,000 पेज की चार्जशीट में शामिल हैं

फंड डाइवर्जन की पूरी ट्रेल

कागजी कंपनियों व ट्रस्टों का नेटवर्क

शेयर ट्रांसफर की सर्किट लेन-देन

फर्जी बैलेंस शीट और दस्तावेज

टॉप मैनेजमेंट की संलिप्तता और मनी लॉन्ड्रिंग के प्रमाण

बैंकों को हुए नुकसान का पूरा ब्यौरा

अब आगे ट्रायल चलेगा

चार्जशीट दाखिल होने के बाद अब मामला कोर्ट में ट्रायल की ओर बढ़ रहा है। ईडी ने संकेत दिए हैं कि आगे और पूछताछ, अतिरिक्त अटैचमेंट्स और आरोप तय होने की प्रक्रिया भी हो सकती है।

शादी से लौट रहे साले-बहनोई को रौंदा

प्रयागराज के फाफामऊ पुल पर दर्दनाक हादसा, दोनों की मौत।

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के फाफामऊ पुल पर सोमवार की देर रात दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की जान चली गई। बाइक से घर लौट रहे दोनों को अज्ञात वाहन ने इतनी तेज टक्कर मारी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों साले-बहनोई थे और शादी से लौट रहे थे।

झूंसी की पुरानी बस्ती निवासी राहुल कुमार (24) और उनके बहनोई सनी कुमार, निवासी शादियाबाद (थाना कर्नलगंज), सोमवार की रात फाफामऊ के कांशीराम कॉलोनी में हुए विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। रात देर में दोनों बाइक से घर लौट रहे थे।

जैसे ही दोनों फाफामऊ गंगा पुल के करीब पहुंचे, एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरते ही मौके पर ही दम तोड़ बैठे।

घटना की सूचना मिलते ही दोनों पीड़ित परिवार मौके पर पहुंचे। युवकों की मौत से दोनों घरों में कोहराम मचा हुआ है। रिश्तेदार और परिचित भी सदमे में हैं।

फाफामऊ एसओ अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और चालक का पता लगाया जा सके अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रयागराज में गुरु तेग बहादुर शहीदी समागम में संगत उमड़ी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आज पूरी तरह से गुरु भक्ति, सेवा और श्रद्धा की रोशनी में डूबी दिखाई दी। सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत शताब्दी के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय शहीदी समागम का भव्य आयोजन प्रयागराज में किया गया। इस ऐतिहासिक समागम की शुरुआत पहले दिन पंच प्यारों और गुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई में निकाली गई विशाल नगर कीर्तन शोभायात्रा से हुई। गुरुद्वारा पक्की संगत अहियापुर से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए संगत को गुरु साहिब के त्याग, धर्म रक्षा और मानवता के संदेश का स्मरण कराती रही। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और गुरु वाणी गूंजती रही।

इलाहाबाद युनिवर्सिटी में धरनारत छात्रों के बीच पहुंचे संजय सिंह

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं का धरना प्रदर्शन रात भर जारी रहा। देर रात आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह विश्वविद्यालय में धरनारत छात्रों के बीच पहुंच गए। करीब आधे घंटे तक वह उनके बीच रहे। निलंबित छात्र चंद्रप्रकाश, निधि व सौम्या से क्रमवार उनकी पूरी बात सुनी। संजय सिंह ने छात्रों का समर्थन किया। उन्होंने कहा, इस विश्वविद्यालय में तानाशाही का रवैया अपनाया जा रहा है। सत्र शुरू होने पर आप छात्रों की यह बात देश की संसद में उठाने का काम करूंगा। और न्याय दिलाऊंगा। छात्रों ने तालियों से उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को चिठ्ठी लिखूंगा। जिस छात्र चंद्रशेखर को निष्कासित किया गया है उसने संजय सिंह के सामने कहा, कि चीफ प्रॉक्टर कहते हैं कि हमने तोड़ फोड़ किया है विश्वविद्यालय में, हम कहते हैं यदि हम तोड़ फोड़ किए हैं तो कोई वीडियो तो होगा सीसीटीवी में। यदि यह साबित कर देंगे तो हम फांसी पर चढ़ जाएंगे। इस बात पर संजय ने जवाब दिया। कहा, किसी के झूठे आरोपों से डरकर फांसी व आत्महत्या जैसी बात गलत है, आप छात्र हैं डंटकर लड़िए हम साथ हैं। संजय सिंह के आने से छात्रों को और बल मिला है। संजय सिंह ने कहा, इनके पास हथियार ही क्या है मुकदमा और जेल के अलावा। मुझे भी तो जेल भेजा गया, 183 दिन जेल में रहे।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा आगामी कोहरे के मौसम/खराब मौसम की स्थिति में सुचारु रूप से ट्रेन परिचालन के उद्देश्य से निम्नलिखित रेलगाड़ियों को निरस्तीकरण एवं आवृत्ति में कमी की योजना बनायी गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12595	गोरखपुर-आनन्द विहार (ट.)	01.12.2025 से 12.02.2026
12596	आनन्द विहार (ट.)-गोरखपुर	02.12.2025 से 13.02.2026
12210	काठगोदाम-कानपुर सेंट्रल	08.12.2025 से 23.02.2026
12209	कानपुर सेंट्रल-काठगोदाम	09.12.2025 से 24.02.2026
12873	हटिया-आनन्द विहार (ट.)	01.12.2025 से 26.02.2026
12874	आनन्द विहार (ट.)-हटिया	02.12.2025 से 27.02.2026
22857	सांतरागाछी-आनन्द विहार (ट.)	01.12.2025 से 02.03.2026
22858	आनन्द विहार (ट.)-सांतरागाछी	02.12.2025 से 03.03.2026
14112	प्रयागराज जं.-मुज़फ़्फ़रपुर	01.12.2025 से 25.02.2026
14111	मुज़फ़्फ़रपुर-प्रयागराज जं.	01.12.2025 से 25.02.2026
22198	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कोलकाता	05.12.2025 से 27.02.2026
22197	कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	07.12.2025 से 01.03.2026

रेलगाड़ियों की आवृत्ति में कमी

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12571	गोरखपुर -आनंद विहार (ट.)	03, 07, 10, 14, 17, 21, 24, 28, 31 दिसम्बर 2025: 04, 07, 11, 14, 18, 21, 25, 28 जनवरी 2026 एवं 01, 04, 08, 11, 15 फरवरी 2026
12572	आनंद विहार (ट.)-गोरखपुर	01, 04, 08, 11, 15, 18, 22, 25, 29 दिसम्बर 2025: 01, 05, 08, 12, 15, 19, 22, 26, 29 जनवरी 2026 एवं 02, 05, 09, 12 फरवरी 2026
15025	मऊ-आनंद विहार (ट.)	02, 09, 16, 23, 30 दिसम्बर 2025: 06, 13, 20, 27 जनवरी 2026 एवं 03, 10 फरवरी 2026
15026	आनंद विहार (ट.)-मऊ	05, 12, 19, 26 दिसम्बर 2025: 02, 09, 16, 23, 30 जनवरी 2026 एवं 06, 13 फरवरी 2026
15159	छपरा-दुर्ग	01, 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29, 31 दिसम्बर 2025: 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28, 31 जनवरी 2026 एवं 02, 04, 07, 09, 11, 14 फरवरी 2026
15160	दुर्ग-छपरा	02, 04, 07, 09, 11, 14, 16, 18, 21, 23, 25, 28, 30 दिसम्बर 2025: 01, 04, 06, 08, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27, 29 जनवरी 2026 एवं 01, 03, 05, 08, 10, 12, 15 फरवरी 2026
15073/ 15075	सिंगरौली/ शक्तिनगर-टनकपुर	03, 04, 07, 10, 11, 14, 17, 18, 21, 24, 25, 28, 31 दिसम्बर 2025: 01, 04, 07, 08, 11, 14, 15, 18, 21, 22, 25, 28, 29 जनवरी 2026 एवं 01, 04, 05, 08, 11, 12, 15 फरवरी 2026
15074/ 15076	टनकपुर-सिंगरौली/ शक्तिनगर	02, 03, 06, 09, 10, 13, 16, 17, 20, 23, 24, 27, 30, 31 दिसम्बर 2025: 03, 06, 07, 10, 13, 14, 17, 20, 21, 24, 27, 28, 31 जनवरी 2026 एवं 03, 04, 07, 10, 11, 14 फरवरी 2026
12988	अजमेर-सियालदह	02, 04, 06, 09, 11, 13, 16, 18, 20, 23, 25, 27, 30 दिसम्बर 2025: 01, 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29, 31 जनवरी 2026 एवं 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28 फरवरी 2026
12987	सियालदह-अजमेर	03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28, 31 दिसम्बर 2025: 02, 04, 07, 09, 11, 14, 16, 18, 21, 23, 25, 28, 30 जनवरी 2026: 01, 04, 06, 08, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 फरवरी 2026 एवं 01 मार्च 2026
22406	आनंद विहार ट.-भागलपुर	03, 10, 17, 24, 31 दिसम्बर 2025: 07, 14, 21, 28 जनवरी 2026 एवं 04, 11, 18, 25 फरवरी 2026
22405	भागलपुर-आनंद विहार (ट.)	04, 11, 18, 25 दिसम्बर 2025: 01, 08, 15, 22, 29 जनवरी 2026 एवं 05, 12, 19, 26 फरवरी 2026
12505	कामख्या-आनंद विहार (ट.)	03, 07, 10, 14, 17, 21, 24, 28, 31 दिसम्बर 2025: 04, 07, 11, 14, 18, 21, 25, 28 जनवरी 2026 एवं 01, 04, 08, 11, 15, 18, 22, 25 फरवरी 2026
12506	आनंद विहार (ट.)-कामख्या	05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 दिसम्बर 2025: 02, 06, 09, 13, 16, 20, 23, 27, 30 जनवरी 2026 एवं 03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27 फरवरी 2026
15483	अलीपुर द्वार-दिल्ली	03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27, 31 दिसम्बर 2025: 03, 07, 10, 14, 17, 21, 24, 28, 31 जनवरी 2026 एवं 04, 07, 11, 14, 18, 21, 25, 28 फरवरी 2026
15484	दिल्ली-अलीपुर द्वार	05, 08, 12, 15, 19, 22, 26, 29 दिसम्बर 2025: 02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 जनवरी 2026 एवं 02, 06, 09, 13, 16, 20, 23, 27 फरवरी 2026
11123	ग्वालियर-बरौनी	01.12.2025 से 26.02.2026 तक
11124	बरौनी-ग्वालियर	02.12.2025 से 27.02.2026 तक
11109	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-लखनऊ	06.12.2025 से 28.02.2026 तक
11110	लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	
12033	कानपुर-नई दिल्ली	02.12.2025 से 28.02.2026 तक
12034	नई दिल्ली-कानपुर	
12180	आगरा फोर्ट-लखनऊ	06.12.2025 से 28.02.2026 तक
12179	लखनऊ-आगरा फोर्ट	

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु रेलमदद 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2193/25(A)

अन्य मंदिरों में दर्शन का संकल्प भी पूरा करेंगे : राम मंदिर ध्वजारोहण के बीच अखिलेश यादव का बयान

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक सूक्ष्म राजनीतिक कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अन्य मंदिरों में जाने से पहले इटावा में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन करने का अपना संकल्प पूरा करेंगे। यह टिप्पणी अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में ऐतिहासिक श्ध्वजारोहणश समारोह से पहले आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विशेष ध्वजारोहण समारोह के दौरान अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊँचे शिखर पर पवित्र भगवा ध्वज फहराया। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, यादव ने लिखा कि पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है। ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे। आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव

से भरनेवाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाएं मार्ग पर बस चलकर जाते हैं। आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें! राम मंदिर में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान श्ध्वजारोहणश समारोह के बाद, जिसमें पहले ही 5 अगस्त, 2020 को श्भूमि पूजनश और 22 जनवरी, 2024 को श्प्राण प्रतिष्ठाश समारोह सहित प्रमुख कार्यक्रम हो चुके हैं। यादव, जो इनमें से किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे, ने उस समय दावा किया था कि उन्हें 22 जनवरी के अभिषेक समारोह के लिए व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा कोई निमंत्रण नहीं मिला था, और उन्होंने इस बात का प्रमाण मांगा कि निमंत्रण वास्तव में भेजा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊँचे शिखर पर औपचारिक रूप से भगवा ध्वज फहराया, जो मंदिर निर्माण के पूरा होने का प्रतीक है। इस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष बिंदु की साक्षी बन रही है। आज संपूर्ण भारत, संपूर्ण विश्व राममय है। हर रामभक्त के हृदय में अद्वितीय संतोष है, असीम कृतज्ञता है, अपार, अलौकिक आनंद है। मोदी ने कहा कि सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहुति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं। उन्होंने कहा कि आज भगवान श्रीराम के गृभगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम परिवार का दिव्य प्रताप, इस धर्मध्वजा के रूप में इस दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

राम मंदिर देश का तीसरा कमाऊ मंदिर

यूपी की अर्थव्यवस्था का नया इंजन है राम मंदिर

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर अपनी भव्यता और धार्मिक महत्व के कारण पहले से ही चर्चा में है लेकिन अब इसकी आर्थिक ताकत सामने आई है। भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई राशि ने इसे देश के सबसे धनी मंदिरों की सूची में शामिल कर दिया है। पिछले एक साल के आंकड़ों के अनुसार अयोध्या का राम मंदिर अब कमाई के मामले में तीसरे स्थान पर अपनी मजबूत जगह बना चुका है। पहले स्थान पर तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश 1500 से 1650 करोड़ रूपये, दूसरे स्थान पर पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल 750 से 800 करोड़ रूपये और तीसरे स्थान पर राम मंदिर अयोध्या उत्तर प्रदेश लगभग 700 करोड़ रूपये है। मंदिर के पूरी तरह खुलने, सुविधाओं के विस्तार और भक्तों की बढ़ती संख्या के कारण अयोध्या का राम मंदिर जल्द ही टॉप–2 मंदिरों को टक्कर दे सकता है।राम मंदिर केवल धार्मिक केंद्र नहीं रहा बल्कि यह उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन गया है।अयोध्या शहर में पर्यटन बढ़ने से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं। होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है।

मोरारी बापू ने दिया था राम मंदिर में सबसे ज्यादा दान

गुजरात के हीरा कारोबारी ने दान किया था 101 किलो सोना

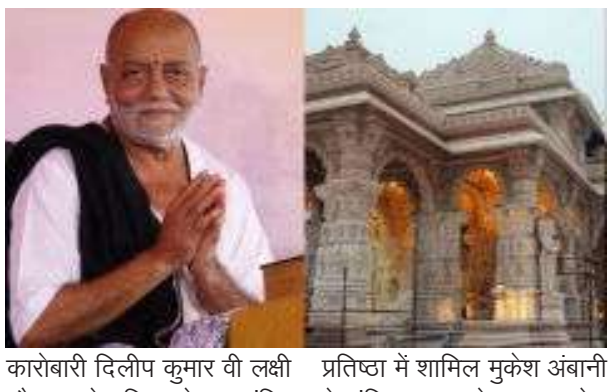

लखनऊ, संवाददाता। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के अनुसार आध्यात्मिक गुरु मोरारी बापू ने राम मंदिर निर्माण के लिए 11.3 करोड़ रुपये दान दिए थे। यह दान राम मंदिर को दिया जाने वाला सबसे बड़ा दान था मोरारी बापू के अलावा अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में उनके अनुयायियों ने 8 करोड़ रुपये और दान दिया था इस तरह मोरारी बापू की कुल दान राशि 18.6 करोड़ रुपये हुई थी। राम मंदिर को दान के रूप में अब तक 5,500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा मिल चुके हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार केवल जनवरी 2024 में ही राम भक्तों ने दो दिनों में 3.17 करोड़ रुपये दान किया था।सूरत के प्रसिद्ध हीरा

कारोबारी दिलीप कुमार वी लक्षी और उनके परिवार ने राम मंदिर के लिए 101 किलो सोना दान किया था।मार्केट रेट के हिसाब से इस सोने की कीमत 68 करोड़ रुपये बताई जाती है। हीरा कारोबारी की तरफ से दान किए गए सोने का उपयोग मंदिर के दरवाजों, गर्भगृह, त्रिशूल, डमरू और पिलर्स की सजावट में किया गया है।राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल मुकेश अंबानी ने मंदिर ट्रस्ट को 2.51 करोड़ रुपये का दान दिया था।उनके परिवार ने व्यक्तिगत तौर पर अलग–अलग सेवाओं में योगदान किया था। राम मंदिर को देश के कई बड़े व्यापारियों और संगठनों ने दिल खोलकर दान दिया था। गुजरात के गोविंद भाई ढोकलिया ने 11 करोड़ रुपये का दान दिया था। सूरत के हीराकारोबारी गोविंद भाई ने भी राम मंदिर को 11 करोड़ रुपये का दान दिया था।पटना महावीर मंदिर की तरफ से भी राम मंदिर के लिए 10 करोड़ रुपये का दान आया था।ग्रीन लैब डायमंड कंपनी के मुकेश पटेल ने भी 11 करोड़ रुपये का डायमंड क्रॉउन राम मंदिर में दान किया। महेश कबूतरवाला ने भी राम मंदिर के लिए 5 करोड़ रुपये का दान दिया था। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार 2022 में फंडिंग कैंपेन शुरू होने के बाद देशभर के लोगों ने भी राम मंदिर के लिए बढ़–चढ़कर दान किया था। फंडिंग कैंपेन के शुरू होने के पहले दिन ही देशभर से राम भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि दान की थी।

वायोलेसी के फूल

बाइस जिसके वंश हैं, नौ सौ रखे प्रजाति।
'वायोलेसीश कहते उसे, मिली बहुत विख्याति।
मिली बहुत विख्याति,फूल लगते हैं सुन्दर।
नम मिट्टी के साथ,खिलें यह बंजर बंजर।
सुन लो कहें प्रदीप,नहीं कहना हैं वाइस।
निज अपना है रंग, रँगे जिसमें हैं बाइस।।

वायोला वाहिला, हाइबैंथस समूल।
जन्म विदेशी भूमि पर, हैं भारतीय फूल।
हैं भारतीय फूल,वंश वायोलेसी के ।
रंगों से भरपूर, महकते हैं अपनों से।
सुन लो कहें प्रदीप, परत जब इनकी खोलो।
सबके मन अनुकूल,खिले पावन वायोला।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

श्रीमद् भागवत कथा का चौथा दिन

प्रतापगढ़। जेल रोड स्थित मोमेंटम कोचिंग क्लासेज कैम्पस में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के आज चतुर्थ दिवस पर कथा व्यास मोहित जी महाराज ने भगवान श्री हरि के दशावतार की कथा बताते हुए प्रत्येक अवतार के कारण और निमित्त का उद्घाटन किया कृष्णावतार की कथा का प्रसंग बालकृष्ण लाल की छवि की झांकी के साथ कहते हुए

अघासुर, बकासुर,धेनुकासुर, वत्सासुर, पूतना, कालिया नाग , कुवलयापीड गज,कंस के उद्धार की कथाएं कहकर श्रोताओं को भक्ति श्रद्धा और आस्था के संगम में गोता लगवाया कथा का विस्तार करते हुए बाल कृष्ण की गोकुल में अनेकानेक लीलाओं का वर्णन किया साथ रही संगीत मण्डली ने भजनों के माध्यम से श्रोताओं को बांधे रखा आज की कथा के विश्राम होने से पूर्व कन्हैया का धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया गया इस के पश्चात आरती और प्रसाद वितरण किया गया। आज की कथा में मुख्य यजमान रामचन्द्र जायसवाल पूर्व विधायक बृजेश मिश्र (सौरभ) रवि पाण्डेय राजाराम मनोज पाण्डेय अखिलेश मिश्र अंजनी सिंह पीयूष ममता लता शिवानी गीता कमल समीक्षा बबली पिंकी रानी घनश्याम पंकज सुभाष चन्द्र मिश्र डॉक्टर देवेन्द्र नाथ सत्यम मिश्र आदि की उपस्थिति रही।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 62-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक: 21.11.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 15.12.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्या: 01 निविदा सूचना संख्या: ELG-129-2526

कार्य का नाम: PRYJ डिवीज़न (फेज-I) में एनर्जी बचाने के लिए पार्किंग में सोलर ट्रस, सोलर पैनल का इंतज़ाम।

काम की लागत (रु.में): 22486743.25 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 262400.00

कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 माह, निविदा खुलने की तिथि: 15.12.2025, समय-15:00 बजे। इसे सक्षम सीनियर डीईई/जी/पीआरवाईजे का अनुमोदन प्राप्त है। नोट: 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2261/25 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या: वि0/गा0श0यू0/प्रयागराज/ई टेंडरसूचना/2025/54 दिनांक: 22.11.2025

ई-निविदा सूचना (गति शक्ति यूनिट)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 16.12.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

निविदा संख्या: GSU-EL-WC-66-2025 | काम की लागत (रु में): ₹ 1,15,82,696.04

कार्य का नाम: प्रयागराज मंडल के प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर लाइन नंबर 14 और 15 को हटाकर लाइन नंबर 13 और 16 के बीच एक हाई लेवल आइजलैंड प्लेटफार्म के निर्माण के संबंध में विद्युत कार्य।

बिड सिक्योरिटी (रु में): ₹ 2,07,900.00 | कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 माह

निविदा खुलने की तिथि: 16.12.2025, समय- 15:30 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा की निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस प्रयोजन के लिए, विक्रेताओं को डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ आई आर ई पी एस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। (3) किसी भी कठिनाई के मामले में IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 2258/25(A)

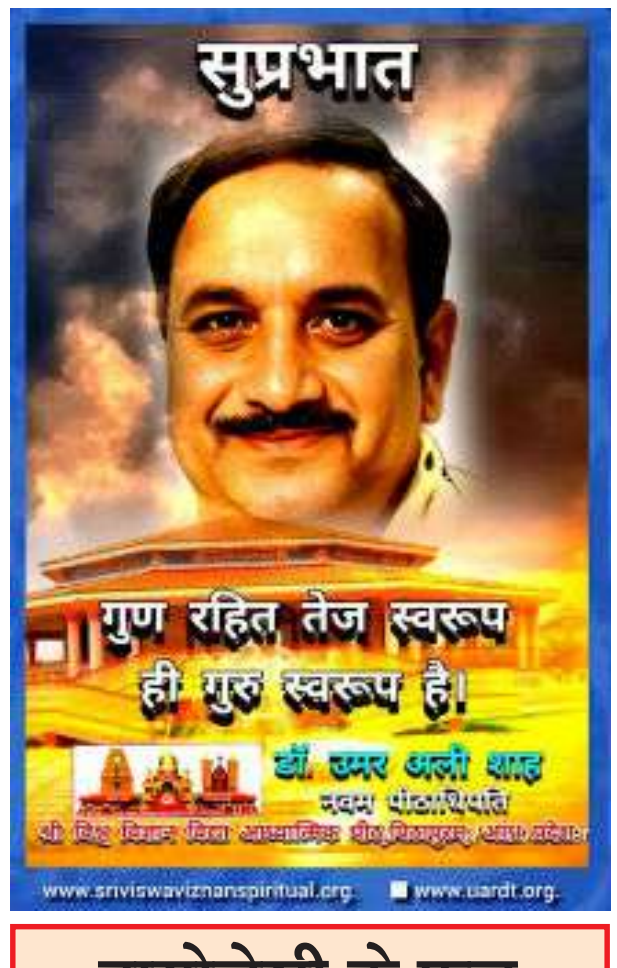

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2024 Dated : 24.11.2025

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय स्टाल और खान पान स्टाल अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

कैटरिंग :

E-Auction catalogue No. : PRYJ-CATG-25-43
E-Auction Start Date & Time : 04.12.2025 at 11.00 hrs
Details of publicity : विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए फल और जूस बार इकाइयाँ : इटावा (01 स्थान), टूंडला (01 स्थान), फिरोजाबाद (01 स्थान)

E-Auction catalogue No. : PRYJ-CATG-25-44
E-Auction Start Date & Time : 05.12.2025 at 11.00 hrs
Details of publicity : प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जलपान कक्ष।

E-Auction catalogue No. : PRYJ-MPS-25-16
E-Auction Start Date & Time : 05.12.2025 at 11.00 hrs
Details of publicity : 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टॉल इकाइयाँ : हाथरस (01 स्थान), इटावा (01 स्थान), मिर्जापुर (01 स्थान), चुनार (01 स्थान), फफूंद (02 स्थान), विंध्याचल (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान), अलीगढ़ (01 स्थान), कानपुर अनवरगंज (01 स्थान)

E-Auction catalogue No. : PRYJ-CATG-25-45
E-Auction Start Date & Time : 08.12.2025 at 11.00 hrs
Details of publicity : 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँ : खागा (01 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), भरथना (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), इरादतगंज (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान)

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1. बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। 2. बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। 3. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 10,000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। 4. इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जाती है। 5. अर्निंग मनी डिपॉजिट (ईएमडी) : नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10% सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। 6. रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। 7. रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर/ वी पी को पट्टे पर देने से सम्बंधित है)। 8. सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। 2264/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

पशु चिकित्सकों से 20 लाख रुपये मांगने में फंसे अपर निदेशक

– सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप
– आनलाइन खराब की प्रविष्टि, आफलाइन में सुधारी

लखनऊ, संवाददाता। पशु चिकित्सकों की गोपनीय प्रविष्टि यानि सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने के मामले में प्रयागराग के अपर निदेशक ग्रेड–2 रहे डा. कृष्णपाल सिंह फंस गए है। 40 चिकित्सकों ने उन पर धन की मांग करने और पैसा न देने पर सत्यनिष्ठा संदिग्ध करने का आरोप लगाया है। शपथपत्र पर शिकायत के बाद हुई जांच में 22 चिकित्सकों द्वारा आरोपों की पुष्टि की गई है। प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने आरोपित को नोटिस जारी कर 15 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। वाराणसी में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात डा. कृष्णपाल सिंह पर 2024 में मार्च से दिसंबर तक प्रयागराज के अपर निदेशक ग्रेड–2 का अतिरिक्त प्रभार रहा था। उनके विरुद्ध उप्र पशुचिकित्सा संघ के अध्यक्ष डा. संजीव कुमार सिंह सहित 40 पशु चिकित्सकों ने शपथ–पत्र देकर शिकायत की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डा. कृष्णपाल सिंह द्वारा गोपनीय प्रविष्टि ठीक लिखने के बदले उनसे पैसे की मांग की जाती थी। डा. संजीव कुमार सिंह से 50 हजार रुपये की मांग की गई। डा. उमेश कुमार पटेरिया को भी घर बुलाकर धनराशि की मांग की गई।दोनों अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य किया था और प्रतिवेदक ने उन्हें ग्रेड–10 और सत्यनिष्ठा प्रमाणित की थी। उन अधिकारियों को पशुधन विकास मंत्री और सीडीओ द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है, फिर भी रिश्वत न मिलने पर उनकी सत्यनिष्ठा श्संदिग्धश कर दी गई। डॉ. शारदा सिंह को कथित रिश्वत न देने पर दो श्रेणी नीचे कर दिया गया। शिकायत पर विभाग ने अपर निदेशक ग्रेड–1 पशु जैविक औषधि संस्थान बादशाहबाग से जांच कराई गई थी। जांच अधिकारी ने 26 सितंबर को अपनी आख्या विभाग को सौंप दी।आख्या में

कहा गया है कि जांच अधिकारी के सामने प्रस्तुत हुए 37 पशु चिकित्सकों में से 22 द्वारा सीआर लिखने के बदले पैसों की मांग करने की पुष्टि की गई। निदेशक की और तीन अक्टूबर को जांच आख्या प्रमुख सचिव को भेजी गई थी। जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा 15 नवंबर को डा. कृष्णपाल सिंह को जारी नोटिस में कहा गया है कि 15 दिन में उत्तर न मिलने पर अग्रिम निर्णय लिया जाएगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति के तहत कार्य किया जा रहा है। आरोपित का स्पष्टीकरण मिलने के बाद कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। आरोपित अधिकारी द्वारा कई पशु चिकित्साधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टी आनलाइन खराब दर्शाते हुए उनकी सत्यनिष्ठा संदिग्ध की गई है, बाद में आफलाइन उसे ठीक कर दिया गया। प्रमुख सचिव ने आदेश दिए हैं कि आनलाइन एवं आफलाइन दोनों स्तर पर चरित्र प्रविष्टि का अलग–अलग अंकन होने से भ्रम की स्थिति बनी हुई है। मैनुअल प्रविष्टि स्वीकार करते हुए आनलाइन प्रविष्टि को अमान्य कर दिया जाए।

बाइक की टक्कर से नगर पंचायत कर्मचारी घायल

लावड़ (जनवाणी) सरू कस्बा स्थित नगर पंचायत कार्यालय में आउटसोर्सिंग कर्मचारी के रूप में कार्यरत कर्मचारी सड़क दुर्घटना में

घायल हो गया। नगर पंचायत लावड़ में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारी बादल सोमवार शाम ड्यूटी पूरी कर बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। लावड़ सोफीपुर मार्ग पर देदवा गांव के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने बादल की बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बादल गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे नगर पंचायत कर्मचारियों ने बादल को मोदीपुरम स्थित एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि बादल के एक पैर में गंभीर चोट लगी। जिससे पैर के पंजे की 2 हड्डी भी टूटी है।

3 साल की बच्ची के साथ रेप,शादी समारोह देखकर घुसा युवक

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के इटौंजा इलाके में एक युवक ने 3 साल की बच्ची के साथ रेप किया। युवक शादी समारोह में घुस गया था। वह बच्ची को दूसरी मंजिल पर उठा ले गया। वहीं उसका रेप किया। इसके बाद रोती हुई बच्ची को दूसरी मंजिल से नीचे फेंकने जा रहा था। इसी दौरान लोगों ने देख लिया। आरोपी को लोगों ने पकड़ लिया। युवक की पहचान इटौंजा थाना क्षेत्र के ही सीरगंज के संदीप के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया है कि उसने देखा कि गेस्टहाउस में शादी का कार्यक्रम है। वहीं घुस गया। एक बच्ची को बुलाकर दूसरी मंजिल में ले गया। रेप के बाद बच्ची को मारने की कोशिश भी की, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित परिवार रिश्तेदारी की शादी में आया था। एक रिश्तेदार ने बताया– आरोपी संदीप रास्ते से गुजर रहा था। उसकी गंदी नजर बच्ची पर पड़ी। वह गंदी नीयत से ही गेस्ट हाउस के अंदर घुसा। बच्ची को दूसरी मंजिल पर ले जाकर उसके साथ गलत किया। काफी देर तक जब बच्ची नजर नहीं आई तो लोगों ने ढूंढना शुरू किया। डीजे साउंड बंद करवा दिया गया। शादी में शामिल हुए कुछ लोगों को बच्ची की चीख सुनाई दी। वे लोग आवाज सुनते हुए दूसरी मंजिल पर पहुंचे। आरोपी बच्ची को नीचे फेंकने जा रहा था तभी लोगों ने आरोपी को लपक लिया। पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया गया।

दिल्ली इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

नई दिल्ली। शहर समता महिला विचार मंच दिल्ली इकाई की काव्य गोष्ठी गूगल मीट द्वारा राम विवाह उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न। शहर समता विचार मंच दिल्ली इकाई की महिला काव्य गोष्ठी अफरोज अजीज के संयोजन एवं उमा मिश्रा जी के अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि पंकज चतुर्वेदी। अध्यक्षता कर रही उमा मिश्रा प्रीति द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण

के द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति प्रोफेसर रश्मि झा ने किया। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अर्चना झा अन्नू ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सरिता कपूर , मधु अरोरा , परिणीता जी , मनोरमा ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर रश्मि झा ने किया।

सम्पादकीय.....

नई श्रम संहिताएं

इसमें दो राय नहीं कि नई श्रम संहिताएं लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नये दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं मसलन वेतन,औद्योगिक संबंध ा, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। केंद्र सरकार 29 केंद्रीय कानूनों की जगह चार संहिताओं को लाने वाले इस कदम को ऐतिहासिक सुधार के तौर पर पेश कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। इस पहल में कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वायदा किया गया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं। सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध ा, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक–सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। सही मायनों में यह बदलाव लंबे से समय से वैधानिक दायरे से बाहर रह रहे एक बड़े वर्ग को मान्यता प्रदान करता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। वहीं दूसरी ओर ये संहिताएं महिलाओं के लिये भी रोजगार की समान परिस्थितियां अनिवार्य बनाती हैं। इस प्रयास से महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी का दायरा बढ़ेगा। हालांकि, इन प्रयासों से जुड़ी कुछ जरूरी चेतावनियां भी सामने आ रही हैं। उदाहरण के लिये औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और संस्थान को बंद करने के लिये सरकारी मंजूरी की सीमा को सौ कामगारों से बढ़ाकर तीन सौ कर देती है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने पर उद्योग जगत जहां इस बदलाव को लचीला बताकर स्वागत कर रहा है, वहीं श्रम संगठनों को चिंता है कि इससे रोजगार की सुरक्षा कम होगी। ऐसी ही कई आशंकाओं को लेकर देश की कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका तर्क है कि नई व्यवस्था कामगारों के सामूहिक दबाव से बातचीत की गुंजाइश को कमजोर करती है। साथ ही सत्ता का झुकाव नियोक्ताओं की ओर नजर आता है। वहीं दूसरी ओर नये प्रावधानों का क्रियान्यवन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे। राज्यों द्वारा असमान रूप से प्रावधान अपनाने से एकीकृत रूप से राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में बाध ा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर इन संहिताओं की सफलता प्रवर्तन की ईमानदारी पर निर्भर करेगी। यह प्रयास तभी प्रभावी होगा जब कार्य परिस्थितियों का पारदर्शी निरीक्षण, सकारात्मक परिणाम देने वाले शिकायत तंत्र और अनौपचारिक कार्यबल तक सही मायने में पहुंचने वाली सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सिरे चढ़ सकेंगी। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा।

श्रम संहिताएं शोषण का नया औजार

डॉ. दीपक पाचपोर

2024 में मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल भी खत्म हो गया। फिर चुनाव में जीत कर नरेन्द्र मोदी ने तीसरा कार्यभार संभाला, उसके बाद भी इन श्रम संहिताओं पर कोई बात नहीं हुई।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर चार श्रम संहिताएं लागू कर दी हैं। इनमें से मजदूरी संहिता 2019 में संसद ने पारित की थी। अन्य तीनों संहिताएं सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध ा संहिता और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशाएं संहिता 2020 में संसद में पारित की जा चुकी हैं। लेकिन इसके बाद इन्हें लागू करने पर कोई बात नहीं हुई, तो समझा गया कि इन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। 2024 में मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल भी खत्म हो गया। फिर चुनाव में जीत कर नरेन्द्र मोदी ने तीसरा कार्यभार संभाला, उसके बाद भी इन श्रम संहिताओं पर कोई बात नहीं हुई। अब यकायक मोदी सरकार ने इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर सबको चौंका दिया। सरकार इस फैसले को कर्मचारियों और मजदूरों के हित में बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, श्आज, हमारी सरकार ने चार लेबर कोड लागू कर दिए हैं। यह आजादी के बाद मजदूरों लिए सबसे बड़े और प्रगतिशील सुधारों में से एक है। यह हमारे कामगारों को बहुत ताकतवर बनाता है। इससे नियमों का पालन भी काफी आसान हो जाएगा और यह ईज ऑफ डूइंग बिजनेसश को बढ़ावा देने वाला है। प्रध ाानमंत्री ने इन्हें आजमाए बिना ये तो कह दिया कि ये मजदूरों के सबसे प्रगतिशील सुधारों में से एक हैं, लेकिन ये नहीं बताया कि पिछले कार्यकाल में इन सुधारों को लागू करने से उन्हें किसने रोका था और अब अचानक इन्हें लागू क्यों किया गया। ध्यान रहे कि जिस समय इन संहिताओं को पारित कराया गया, वह कोरोना महामारी का दौर था। जिसने नोटबंदी के बाद त्रस्त जनता की कमर बुरी तरह तोड़ दी थी। लाखों लोग बेघर और बेरोजगार हो गए थे। तब नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का लुभावना नारा दिया था। अभी श्रम संहिताओं को लागू करते वक्त फिर इसी आत्मनिर्भर भारत की बात ही कही जा रही है। मगर मजदूर संगठन अब भी यह नहीं मान रहे हैं कि इनसे मजदूरों का भला होगा। पांच साल पहले भी उन्होंने इसका विरोध किया था, और वे अब भी यही कह रहे हैं कि यह पूंजीपतियों के हितों को देखते हुए बनाए गए हैं।श्रम संहिता के खिलाफ इंटक, एटक, एचएमएस, सीआईटीयू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एईडब्लूए, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी जैसे मजदूर संगठनों ने 26 नवंबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन का +फैसला भी किया है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, श्मजदूरों से जुड़े 29 मौजूदा कघनूनों को 4 कोड में री–पैकेज किया गया है। इसका किसी क्रांतिकारी सुधार के तौर पर प्रचार किया जा रहा है, जबकि इसके नियम अभी तक नोटिफाई भी नहीं हुए हैं। उन्होंने सवाल खड़े किए हैं, श्लेकिन क्या ये कोड भारत के मजदूरों की न्याय के लिए इन 5 जरूरी मांगों को हकघिकघ्त बना पाएंगे?देखना होगा कि मोदी सरकार इन सवालों के जवाब देती है या इन्हें अनदेखा कर देती है। वैसे सरकार का दावा है कि साल 2019 के वेज कोड से कामगारों को न्यूनतम मजदूरी की गारंटी मिल सकेगी और हर पांच साल में न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा की जाएगी। लेकिन जिस देश में साल में कई बार महंगाई के झटके लगते हैं, वहां मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तय करने के लिए पांच साल क्या ज्यादा लंबा वक्त नहीं है। सरकार का यह भी दावा है कि इससे सभी कामगारों को समय पर वेतन मिलने की गारंटी भी दी जाएगी और महिलाओं और पुरुषों को समान मेहनताना मिल सकेगा। एक छोटे से योगदान के बाद सभी कामगारों को ईएसआईसी के हॉस्पिटल और डिस्पेंसरी में चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी और यह सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिहाज से काफी अहम होगा।अच्छी बात है कि इन संहिताओं में इस तरह के प्रावध ाान हैं, लेकिन महिलाओं को समान वेतन के साथ ही रात में काम के लिए बुलाने की भी छूट दी गई है। बेशक इसमें महिलाओं की सहमति जरूरी होगी, लेकिन इसके बावजूद महिला शोषण के खतरे बढ़ जाएंगे। नयी श्रम संहिता में श्रमिकों को हड़ताल की अनुमति नहीं है, चाहे उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाए, चाहे पगार कम कर दी जाए, वे अपने हक के लिए संगठित होकर खड़े नहीं हो पाएंगे। गौरतलब है कि भारत में मजदूर संगठनों ने लंबी लड़ाई के बाद कामगारों के हित में 44 कघनून बनवाए थे। जिनमें काम के निर्धारित घंटे, श्रम संगठन बनाना, श्रमिकों के हितों के लिए सामूहिक तौर पर सौदेबाजी कर पाने की क्षमता वगैरह शामिल थे। लेकिन मोदी सरकार में इन सब खत्म कर दिया गया है। अहम बात यह है कि संहिता और कघनून में फर्क होता है। कघनून में सजा का प्रावधान होता है, जबकि संहिता में कंपनीध्फैक्टरी मालिकों पर जुर्माने का प्रावधान रखा गया है।कुल मिलाकर श्रम सुधारों के नाम पर उद्योगपतियों की मनमानियों को आसान करने का रास्ता मोदी सरकार ने बनाया है।

एसआईआर एक, लाभ अनेक

प्रेम शर्मा

देश के वोटर लिस्ट को सुध ाार करने का एक शांत लेकिन जरूरी काम चल रहा है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, या एसआईआर में बूथ लेवल ऑफिसर अपडेटेड लिस्ट के साथ घर.घर जा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े इलेक्टोरल डेटाबेस में से एक पर काम करते हुए कन्फर्मेशन और करेक्शन मांग रहे हैं। इससे बहस छिडीध है। इस बात को लेकर नई जिज्ञासा पैदा हुई है कि भारत का सबसे बुनियादी डेमोक्रेटिक डॉक्यूमेंट कैसे सही रखा जाता है। भले ही हमें अभी एसआईआर एक सुक्ष्म कार्यप्रणाली लग रही हो लेकिन इसके फायदे अनेक है। भारी संख्या मे घुसपैठियों का रोजगार पर कब्जा, संगठित अपराधों में बढ़ोत्तरी और सरकार बदलने की ताकत को रोकने में यह प्रयास काफी कारगार साबित होगा। सरकार की इस सटीक और सूझबूझ की रणनीति का परिणाम कुछदे से मिलेगा लेकिन वह देश हित में होगा। करोड़ों की संख्या में अवैध घुसपैठियों और फर्जी वोटरों के खात्मे के लिए किया जा रहा यह कार्य कई पॉलिटिकल पार्टियां खतरे की घंटी बजा रहा हैं। जैसे.जैसे यह काम आगे बढ़ रहा है, एक नया सवाल सामने आने लगा है। सबसे खास बॉत यह कि अवैध घुसपैठियों को शरण देने वाले आंका सरकार के इस प्रयास से तिलमिलाए हुए है। वैसे पड़ौसी देशों से घुसपैठ भारत के लिए नासूर बनने की ओर है। बाहरी नागरिकों के भारत में अवैध रूप से बसते जाने का संकेत दे रहे आंकड़े और अनुमान चौंकाते हैं। बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों से हो रही घुसपैठ भारतीय नागरिकों के हितों और हक को हड़पने का सबब बन गई है। इसके सामाजिक,आर्थिक और आपराधिक दुष्प्रभाव सामने आ रहे है।लिहाजा घुसपैठ का यह मसला राष्ट्रीय मुद्दा है। ऐसे में एसआरआई की जरूरत को नकारा नही जा सकता। भारत में अनुमानित घुसपैठियों की संख्या एक विवादास्पद विषय है। हम अगर बीस साल पहले की बॉत करे तो साल 2004 में, सरकार ने अनुमान लगाया था कि लगभग 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे थे। जबकि 2016 की एक रिपोर्ट में यह संख्या लगभग 2 करोड़ बताई गई थी। 2020 में, सरकार ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 1.1 लाख बांग्लादेशी रहे हैं, जिनके वीजा की वैधता समाप्त हो चुकी थी। सरकार यह भी स्वीकार चुकी है कि देश के सभी हिस्सों में रहने वाले अवैध ा प्रवासियों के सटीक आँकड़े जुटाना मुश्किल है। अवैध घुसपैठ को लेकर प्रधानमंत्री मोदी लालकिले की प्राचीर से कह चुके है कि धुसपैठ देश की जनसांख्यिकी स्थिति के लिए खघ्तरा है। जो अब एक चुनौती बन गई है। सोचे–समझे षड्यंत्र के तहत देश की जनसांख्यिकी को बदल कर नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं। घुसपैठिए देश के युवाओं की रोजी–रोटी छीन रहे हैं और हमारी बहन–बेटियों को निशाना बना रहे हैं। जनजातियों को गुमराह कर उनकी जमीनें हड़प रहे हैं। अवैध घुसपैठियों को प्रदेश से बाहर निकालने के मिशन में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधि ाकारियों को अवैध घुसपैठियों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई का निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में रहने वाले अवैध घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित कर नियमानुसार कार्रवाई करे।

काश कि मैं एक पंछी होती...

काश कि मैं एक पंछी होती,
स्वछन्द्र विचरती नील गगन में

प्रश्न – दिव्या माथुरजी आपकी साहित्यिक यात्रा की शुरुआत कहाँ से हुई और प्रेरणा का पहला स्रोत कौन रहा?

उत्तर – मेरे दादा, बिशन दयाल श्शादश एक बेहतरीन चित्रकार, सुलेखक और मशहूर शायर थे, बचपन से ही वे मेरे प्रेरणा स्त्रोत रहे। चन्द्रामामा का आजीवन सदस्य बनाकर बड़े चाचा ने मुझे बचपन में ही पढ़ने की आदत डाल दी थी। छोटे चाचा बेहतरीन गायक तो थे ही, कई साज भी बजाते थे, उनसे मैंने बांसुरी, हारमोनियम और तबला–ढोलक बजाना सीखा। रोज रात को चाचा और बुआएं हमें सिर पर सफेद चादर ओढ़ कर हमें भूतों की कहानियां सुनाया करते थे, जिन्हें सुनते सुनते न जाने कब मैं भी लिखने लगी। शुरुआत हुई कविता से मेरी पहली कविता मेरे जन्म के बारे में थी दादी ने मुझे बताया था कि जब में पदा हुई तो दादा ने एक बहुत बड़ी दावत दी। में घर में चौथी संतान थी और तीसरी बेटी, फिर भी उन्होंने बैंड–बाजे बजवाए, हिजड़े नचवाए और पकवान बंटवाए – इन्हीं सबका बखान थी वह कविता, जिसे मैंने सात या आठ बरस की उम्र में लिखा था। एक अन्य कविता जो दादा की एक कविता श्एक चिड़िया के बच्चे चार से प्रभावित हो कर लिखी थी, श्काश कि मैं एक पंछी होती, स्वछन्द्र विचरती नील गगन में, काश कि मैं पेड़ों पर सोती, ठुमकती फिरती बन उपबन में।

प्रश्न – अपनी लेखन शैली को आप कैसे परिभाषित करती हैं? क्या कोई विशेष विषय है जो उत्तर – आपको सबसे ज्यादा आकर्षित करता है?

उत्तर – मेरा लेखन यथार्थवादी है, जिसमें सामाजिक न्याय की आकांक्षा के साथ साथ संघर्ष भी है, और हाशिये की आवाज बनने का मैंने सदा प्रयत्म किया है। स्त्रीवादी साहित्य ने समाज में लैंगिक असमानताओं पर गहरी बहसों का मार्ग प्रशस्त कियाय सार्वजनिक विमर्श को बदला। साहित्य के भीतर दबे–छुपे भय, सपने, जिज्ञासाएँ और सामूहिक अनुभव अक्सर समाज की ऐसी गहरी मनः स्थितियों को प्रकट करते हैं जो हमेशा सतह पर दिखाई नहीं देतीं। मैं इसे एक जीवंत पारस्परिकता के रूप में देखती हूँ। मैंने लगभग सभी विषयों पर लिखा है फंतासी, जासूसी और वैज्ञानिक विषयों पर भी। उपन्यास शतिलिस्मश के बाद पुरुषों के प्रति मेरा रवैया बदला, आजकल मेरा ध्यान पुरुष पीड़ा पर है, स्त्री स्त्री की सबसे बड़ी दुश्मन है किंतु पुरुषों को मुँह बाएं खड़े रहना भी एक बड़ी विकत समस्सा है। हमें उनकी भी सुनना होगा, खुद उन्हें भी सुधरनाध्सुध ारना होगा, अन्यथा समाज में परिवर्तन लाना कठिन है।

प्रश्न – एक महिला रचनाकार के रूप में आपकी राह में आई चुनौतियाँ और उनसे मिली प्रेरणाएँ क्या रहीं?

उत्तर – बहुत बहुत, अधि ाकतर पाठक यह मान कर चलते हैं कि उनकी रचनाएं निजी समस्स्राओं पर आधारित हैं, इसलिए परिवार और समाज से उन्हें ताने सुनने को मिलते है। नवभारत टाइम्स के रविवारीय अंकों में मेरी दो कहानियाँ एक के बाद एक प्रकाशित हुईं, फिर जो मुझ पर कहर ढहा कि मुझे लिखना बंद करना पड़ा। पोल खोलने जैसा उनमें कुछ था नहीं क्योंकि ये रचनाएं घर घर की कहानी पर आधारित थीं। श्गिल्ट् ट्रिप के तहत अक्सर स्त्री को तब तक सताया जाता है जब तक वह लिखना बंद कर दे। तभी तो पुराने जमाने में स्त्रियाँ नाम बदल कर लेखन करती थीं। एकल अभिवावक के रूप में दो छोटे बच्चों को पालना, वो भी एक पराए देश में, अपने आप में एक चुनौती थी। इस दौरान अधिकतर कविताएं ही लिखीं, क्योंकि कुछ वर्षों तक कहानियाँ लिखने का समय ही नहीं मिला, उस जमाने में ऑनलाइन भेजने की सुविधा नहीं थी इसलिए वे डायरी में ही इकट्ठी होती रहीं।

1990 में लंदन में भारतीय उच्चायुक्त डॉ लक्ष्मीमल सिंघवी जी ने अपने घर पर कविता की संगोष्ठियाँ आयोजित करनी आरंभ कीं तो लंदन के लेखक मानो जाग उठे और यूँ शुरू हुआ हमारे लेखन का सिलसिला। उन्हीं की प्रेरणा से मेरे पहले दो कविता संग्रह श्अन्तः सलिलाश और श्रेत का लिखाश प्रकत हुए, कमल किशोर गोयनका जी से परिचय हुआ, जिन्होंने मेरा बहुत उत्साहवर्धन किया।

प्रश्न – समाज और साहित्य के पारस्परिक संबंध को आप किस दृष्टि से देखती हैं?

उत्तर– समाज और साहित्य का संबंध हमेशा से घनिष्ठ, पारस्परिक और गतिशील रहा है। साहित्य अक्सर अपने समय के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृ

तिक और भावनात्मक सरोकारों को प्रतिबिंबित करता है, समाज को दिशा भी देता हैय मानवीय चेतना को गठित भी करता है। कई बार एक उपन्द्रास, कविता या नाटक पूरे सामाजिक–राजनीतिक विमर्श को प्रभावित कर देता है।

यह संबंध दोतरफा है, समाज बदलता है, साहित्य नए रूप, भाषा और विषय अपनाता है। साहित्य बदलता है तो समाज में नए नैरेटिव, दृष्टिकोण और संवेदनाएँ जन्म लेती हैं। साहित्य के भीतर दबे–छुपे भय, सपने, जिज्ञासाएँ और सामूहिक अनुभव अक्सर समाज की गहरी मनः स्थितियों को प्रकट करते हैं, जो हमेशा सतह पर दिखाई नहीं देतीं। जहाँ समाज और साहित्य एक–दूसरे को लगातार आकार देते, चुनौती देते और विस्तृत करते हैं।

प्रश्न – आपके प्रमुख कार्यों में से कौन–सी रचना आपके सबसे निकट है और क्यों?

उत्तर – मुश्किल है यह बताना कि आपको अपनी कौन सी आँख अधिक प्रिय है। हाँ, उपन्यास की बात करूँ तो भी श्शाम भर बातेंश, शतिलिस्म्श और शबिन्नी बुआ का बिल्लाश मुझे समान रूप से प्रिय हैं किंतु शतिलिस्मश मेरे जीवन के अनुभवों का निचोड़ है। पुरुष प्रधान रचना है, विषय नया है, मुझे नहीं लगता कि किसी ने अभी तक इस विषय पर लिखा है, लिखा है तो इतने विस्तार से। इसे लिखने में मुझे पाँच वर्ष लगे, कैंसर के पश्चात लघु–स्मृति के कारण 600 से अधिक पृष्ठों में समाहित पचासियों चरित्रों की बारीकियों को याद रखना एक चुनौती था।

प्रश्न – आज के बदलते साहित्यिक परिदृश्य विशेषकर डिजिटल युग को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

उत्तर – डिजिटल युग में बदलता साहित्यिक परिदृश्य कई स्तरों पर बेहद रोचक और बहु–आयामी है किंतु अबही इसका संक्रमण काल चल रहा है, जहाँ हम अपनी पारंपरिक जड़ों को तो थामे बैठे रहना चाहते हैं, विशेषतः मेरी उम्र के लोग, जबकि डिजिटल उपकरण साहित्य को नष्ट नहीं कर रही, बल्कि उन्हें विस्तारित, लोकतांत्रिक, और बहुरूपी बना रही हैं। बहुत सी चुनौतियाँ हैं, पर वे भी विकास का हिस्सा हैं, हमें उन्हें अपनाना चाहिए, कठिनाई तो होगी किंतु जमाने के साथ कदम से कदम मिला कर चलना ही जीवन है।

प्रश्न – क्या कोई ऐसी घटना या अनुभव है जिसने आपके लेखन को निर्णायक मोड़ दिया हो?

उत्तर – मैंने अपने लेखन को कभी तवज्जो नहीं दी, न ही उसे किसी लायक समझा, किंतु लिखती रही, छिपाती रही क्योंकि विश्व के महान लेखकों को पढ़ने के बाद यही लगता रहा और आज भी लगता है कि इतना कुछ अच्छा पढ़ने को है कि क्या ही लिखूँ। फिर श्याम मनोहर जोशी, कन्हैया लाल नंदन, चित्रा मुद्गल जैसे बड़े लेखकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाओं से उत्साहित होकर मैंने लिखना शुरू किया।

सात कविता संग्रह प्रकाशित हो जाने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं एक अच्छी कवि नहीं हूँ, कुछ अच्छे मित्र–लेखकों की सलाह पर मैंने गद्य को चुना, मेरी कहानियाँ अकसर लंबी होती हैं इसलिए उपन्यास विधा मुझे प्रिय है।

प्रश्न– हिंदी साहित्य की युवा पीढ़ी के लिए आपकी क्या सलाह है?

उत्तर – नए लेखकों से मेरा एक ही आग्रह रहता है कि लिखना शुरू करने से पहले वे अच्छा साहित्य पढ़ें पढ़ें और पढ़ें, गुनें, गुनें और गुनें, और फिर लिखें। किसी से सलाह मांगे तो उसकी सलाह की कद्र करें। श्लाइक्सश और झूठी अनुशंसा पर फुदकते न फिरें।

प्रश्न. – महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में साहित्य की भूमिका आप किस तरह से देखती हैं?

उत्तर – मेरी अधिकतर रचनाएं महिला सशक्तिकरण को लेकर ही लिखी गयी हैं, जिनसे स्वयं मुझे प्रेरणा मिली। मेरा अपना वैवाहिक जीवन एक टिपिकल भारतीय पैटर्न पर चलता रहा, मैं सोचती रही कि स्त्री का जीवन ऐसा ही होता है, जब तक कि किसी ने मुझे झिंझोड़ कर जगा नहीं दिया। जब स्त्री जानेगी ही नहीं कि उसके अधिकार क्या हैं, उसे दिन रात बैलों की तरह नहीं हाँका जा सकता, प्रताड़ित नहीं किया जा सकता, वेतन के अतिरिक्त

उससे दहेज की भी अपेक्षा नहीं की जा सकती, तब तक वह नहीं बदलेगी। मेरे पहले कहानी संग्रह, आक्रोश, में इन्हीं सब समस्याओं का जिक्र है, उसके बाद के कहानीध्कविता संग्रहों में इन समस्याओं के अतिरिक्त उनसे स्त्री कैसे निपट सकती है, का भी वर्णन है। मैं प्रसन्न हूँ कि मेरा लेखन सच्चा और व्यावहारिक घटनाओं पर आधारित है। कुछ समीक्षकों को यह अतिवाद लगता है क्योंकि प्रवासी जीवन के सभी पहलुओं से वे वाकिफ नहीं हैं, कुछ तो अब तक प्रवासी साहित्य पर नौसटैलजिया का ठप्पा लगा कर खारिज कर देते हैं, नई रचनाएं तक की पढ़ने की जहमत नहीं उठाते।

प्रश्न – भविष्य में आपकी कौन–सी पुस्तक, परियोजना या लक्ष्य है जिस पर आप कार्यरत हैं?

उत्तर – परियोजनाएं और लक्ष तो बहुत हैं पर पिछले कुछ महीनों के दौरान मैंने अपनी गतिविधियां बहुत कम कर दी हैं, जीवन में पहली बार में अपने लेखन पर ध्यान देना चाह रही हूँ, साथ ही साथ युवा लोगों के साथ अपने वृहत अनुभव बांटना चाहती हूँ, ताकि वे हिम्मत न हारें। बहुत से युवा पी.एच.डी के बाद खाली बैठे हैं, बेहद निराश हैं, मैं उनके संपर्क में हूँ। बहुत से समारोहोंध्आयोजनों में भी मैं इसीलिए जाती हूँ ताकि मेरा युवाओं से आमना सामना हो किंतु देखती हूँ कि सब जगह भागम–दौड़ मची है। मैं चाहती हूँ कि जब मैं किसी शहर जाऊँ तो वहाँ के विद्यार्थियों से जुड़ें जो संभव नहीं हो पाता किंतु दिल्ली के में कई विश्वविद्यालयों से जुड़ी हूँ।

जहाँ तक लेखन का संबंध ा है, आजकल में एक संस्मरण–संग्रह पर की मरम्मत कर रही हूँ, पुरुष समस्याओं पर आधारित एक कहानी संग्रह के सम्पादन भी साथ साथ चल रहा है। दो उपन्यास बरसों से अधर में लटके हैं–एक की शुरुआत तो 1985 में डेनमार्क में हुई थी, वह पूरा नहीं कर पाई, यादें ताजा करने के लिए में इस वर्ष में फिर से डेनमार्क गयी, पुराने मित्रों से मिली, पुराना घर देखा, पुराने स्थल देखे सोचा था कि इस यात्रा से मुझे प्रेरणा मिलेगी किंतु सिवा वहाँ मस्सी करने के अधिक कुछ नहीं कर पाई। सब समय की बात है, जब होंगे तब होंगे।

– डॉ सुनीता श्रीवास्तव, इंदौर

धर्मेंद्र ने दूसरी शादी के लिए सच में कबूला था इस्लाम ? जानें क्या है इसके पीछे की सच्चाई

महान अभिनेता और बॉलीवुड के मूल श्एक्शन हीरोश ध र्मेंद्र का आज 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निध न की खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर आई, प्रशंसकों और सेलेब्रिटीज में शोक की लहर दौड़ गई। इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और फेसबुक पर लाखों लोग श्रद्धांजलि दे रहे हैं। 65 साल के शानदार करियर में धर्मेंद्र ने शोले, चुपके चुपके, सीता और गीता, धर्मवीर, यमला पगला दीवाना जैसी दर्जनों ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। वे बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार थे जिन्हें ही–मैन और गबर जैसे नाम मिले। धर्मेंद्र का निजी जीवन हमेशा सुर्खियों में रहा। वर्ष 1954 में उन्होंने प्रकाश कौर से पहली शादी की थी। इस दंपति के चार संतानें हैं दृ सनी देओल, बॉबी देओल, अजेता देओल और विजेता देओल। 1970 के दशक में फिल्म शोले की शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी से हुई और दोनों को एक–दूसरे से प्यार हो गया। वर्ष 1980 में दोनों ने शादी कर ली। चूंकि धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे, इसलिए हिंदू विवाह अधिनियम के तहत उनकी दूसरी शादी की वैधता पर सवाल उठते रहे। शादी के बाद लंबे समय तक यह अफवाह चलती रही कि कानूनी अड़चन दूर करने के लिए धर्मेंद्र ने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया और हेमा मालिनी के साथ निकाह किया। कहा गया कि उन्होंने नाम बदलकर दिलावर खान और हेमा ने आयशा बी रखा था। धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में इन अफवाहों को सिरे से खारिज किया। वर्ष 2004 में आउटलुक को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "यह आरोप पूरी तरह गलत हैं। मैं वह इंसान नहीं हूं जो अपने निजी हित के लिए अपना धर्म बदल ले।"हेमा मालिनी की अधिकृत जीवनी हेमा मालिनी बियॉन्ड द ड्रीम गर्ल (लेखकराम कमल मुखर्जी) में भी धर्म परिवर्तन और निकाह की इन अफवाहों का स्पष्ट खंडन किया गया है। 2004 में जब धर्मेंद्र बीकानेर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी ने उनके चुनावी हलफनामे पर सवाल उठाए थे। आरोप था कि उन्होंने अपनी संपत्ति के घोषणा–पत्र में केवल पहली पत्नी प्रकाश कौर का उल्लेख किया, हेमा मालिनी का नहीं। उसी समय हेमा मालिनी राज्यसभा सदस्य थीं और उनपर भी आरोप लगा कि उन्होंने अपना धर्म और वैवाहिक स्थिति छिपाई है। हेमा मालिनी ने सभी आरोपों को निराधार बताया था और कहा था, "यह हमारा निजी मामला है। हम आपस में सुलझा लेंगे। किसी तीसरे को इससे तकलीफ नहीं होनी चाहिए।"

> "
>
> धर्मेंद्र का निजी जीवन हमेशा सुर्खियों में रहा। वर्ष १९७४ में उन्होंने प्रकाश कौर से पहली शादी की थी। इस दंपति के चार संतानें हैं दृ सनी देओल, बॉबी देओल, अजेता देओल और विजेता देओल। १९७० के दशक में फिल्म शोले की शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी से हुई और दोनों को एक–दूसरे से प्यार हो गया। वर्ष १९८० में दोनों ने शादी कर ली।

नेहा सिंह राठौर होंगी गिरफ्तार! लगातार दबिश दे रही यूपी पुलिस

लोकगायिका नेहा सिंह राठौर की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर किए गए उनके विवादित और भड़काऊ पोस्ट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। अब पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में 26 भारतीय नागरिकों की मौत हुई थी। इसके बाद नेहा सिंह राठौर ने एक्स पर कई विवादित पोस्ट किए। इन पोस्टों के आधार पर हजरतगंज थाने में 27 अप्रैल को उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान पता चला कि नेहा के इन विवादित पोस्टों का पाकिस्तान में भारत के खिलाफ प्रचार के तौर पर इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने सभी डिजिटल सबूतों को एक पेन ड्राइव में रिकॉर्ड कर थैस भेजा था। रिपोर्ट में पोस्ट और वीडियो को असली पाया गया और किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं मिली। हजरतगंज पुलिस ने नेहा को उनके अंबेडकरनगर स्थित गांव में नोटिस भेजा था। हाईकोर्ट ने भी उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए पेश होने का आदेश दिया था, लेकिन नेहा ने बीमारी का हवाला देते हुए पुलिस के सामने पेश होने से इनकार कर दिया। गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए नेहा ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। इसके बावजूद उन्होंने पुलिस के सामने पेश होकर बयान नहीं दिया। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका भी खारिज कर दी है। जिसके बाद अब पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

पिता के बाद स्मृति मंधाना के होने वाले पति की तबीयत बिगड़ी, ले जाया गया अस्पताल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप–कप्तान स्मृति मंध ाना और संगीतकार पलाश मुच्छल की बहुप्रतीक्षित शादी अचानक टल गई है। शादी के दिन ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ने के बाद शादी समारोह रोक दिया गया। जानकारी के अनुसार, उनके पिता में हार्ट अटैक जैसे लक्षण दिखाई दिए, जिसके चलते उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद स्मृति ने पिता की अनुपस्थिति में कोई भी शादी की रस्म जारी रखने से मना कर दिया। इसी बीच पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। शादी समारोह के बीच अचानक स्थिति तब गंभीर हो गई, जब स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें हार्ट अटैक जैसे लक्षण महसूस हुए जिसके तुरंत एंबुलेंस शादी स्थल पर भेजी गई। परिजनों ने उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और स्मृति मंधाना के मैनेजर ने पुष्टि की कि इस स्थिति ने पूरे आयोजन को रोकने के लिए मजबूर कर दिया। स्मृति मंधाना ने पिता की गंभीर स्थिति को देखते हुए साफ कहा कि बिना उनके उपस्थित हुए कोई भी शादी की रस्म पूरी नहीं की जाएगी। यह निर्णय परिवार की प्राथमिकता और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। शादी से जुड़े कई मेहमान और करीबी रिश्तेदार मौके पर मौजूद थे, लेकिन अचानक आई इस मेडिकल इमरजेंसी ने पूरे आयोजन को स्थगित करने पर मजबूर कर दिया। स्थिति और कठिन तब हो गई जब दूल्हे पलाश मुच्छल को भी स्वास्थ्य संबंधी तकलीफ का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें वायरल इंफेक्शन और सीवियर एसिडिटी की समस्या हुई, उन्हें भी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी हालत चिंताजनक नहीं बताई गई। इलाज के बाद पलाश की अवस्था में सुध ार हुआ और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर होटल भेज दिया गया। स्मृति मंधाना के परिवार से जुड़े डॉक्टर नमन शाह ने कहा कि श्रीनिवास मंधाना की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि स्वास्थ्य में निरंतर सुधार दिखता है, तो उन्हें आज ही छुट्टी मिल सकती है। यह अपडेट परिवार और प्रशंसकों के लिए राहत भरी खबर है। फिलहाल, शादी को कब तक स्थगित किया गया है, इसकी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं हुई है। दोनों परिवार चाहते हैं कि पहले स्मृति के पिता पूरी तरह ठीक हों, पलाश भी पूरी तरह स्वस्थ हो जाएं उसके बाद नई तारीख तय की जाएगी।

शोले के जय–वीरू हुए अलग! धर्मेंद्र को अमिताभ बच्चन का आखिरी सलाम, 'महानता के प्रतीक, सादगी के बेमिसाल', खालीपन पर जताई संवेदना

अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने मित्र और शोले तथा चुपके चुपके जैसी फिल्मों के सह–कलाकार धर्मेन्द्र के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि धर्मेन्द्र अपने शानदार करियर के दौरान एक ऐसे जगत में बेदाग रहे जिसने हर दशक में बदलाव देखा है। धर्मेन्द्र (89) का लंबी बीमारी के बाद सोमवार को जुहू स्थित उनके घर पर निधन हो गया। धर्मेन्द्र ने 1975 की क्लासिक फिल्म शोले में अमिताभ बच्चन के निभाए किरदार जय

के साथ वीरू की प्रसिद्ध भूमिका निभाई थी और ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गीत के माध्यम से परदे पर दोस्ती को परिभाषित किया था। उनके निधन पर बच्चन ने लिखा, ...एक और साहसी दिग्गज हमें छोड़कर चले गए हैं... इस रंगमंच को छोड़कर... एक असहनीय ध्वनि के साथ सन्नाटा छोड़ गए हैं। अमिताभ बच्चन अपने नाती अगस्त्य नंदा और बेटे अभिषेक बच्चन के साथ धर्मेन्द्र के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। अगस्त्य ने आने वाली फिल्म इक्कीस में धर्मेन्द्र के बेटे की भूमिका निभाई, जो संभवतः दिवंगत अभिनेता की आखिरी फिल्म है। अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में बच्चन ने लिखा, धरम जी... महानता के प्रतीक थे, वह न केवल अपनी सुविख्यात शारीरिक उपस्थिति के लिए बल्कि अपने विशाल हृदय और उसकी सबसे प्यारी सादगी के लिए भी हमेशा याद आएंगे। वह अपने साथ पंजाब के उस गांव की मिट्टी की सौंधी खुशबू लाए थे जहां से वह आए थे और इसके प्रति हमेशा सच्चे बने रहे। एक ऐसी बिरादरी में वह अपने शानदार करियर के दौरान बेदाग रहे, जिसने हर दशक में बदलाव देखे। बिरादरी बदली... पर वह नहीं। बच्चन ने कहा कि धर्मेन्द्र की मुस्कान, उनका आकर्षण और उनकी गर्मजोशी उनके आसपास आने वाले सभी लोगों पर छा जाती थी। बच्चन ने कहा कि इस तरह के गुण इस पेशे में दुर्लभ हैं। अभिनेता ने लिखा, हमारे आस–पास का वातावरण खाली हो गया है... एक शून्य जो हमेशा खाली ही रहेगा... प्रार्थनाएं। पंजाब में 1935 में धरम सिंह देओल के रूप में पैदा हुए धर्मेंद्र का छह दशक लंबा उल्लेखनीय करियर रहा। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया और "शोले", "चुपके चुपके", "सत्यकाम", "अनुपमा", "सीता और गीता" जैसी कई शानदार फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई। धर्मेंद्र के परिवार में पत्नी प्रकाश कौर, हेमा मालिनी, बेटे सनी और बॉबी देओल, तथा बेटियां विजेता, अजीता, ईशा और आहना हैं। उन्हें वर्ष 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। अभिनेता ने राजनीति में भी संक्षिप्त पारी खेली। उन्होंने 2004 में बीकानेर लोकसभा सीट से जीत दर्ज की थी, लेकिन एक ही कार्यकाल के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। धर्मेंद्र अंतिम समय तक सक्रिय रहे और प्रशंसक उन्हें श्रीराम राघवन निर्देशित फिल्म "इक्कीस" में आखिरी बार पर्दे पर देख सकेंगे।

पूर्व मिस यूनिवर्स सेलिना जेटली का पति पर डोमेस्टिक वायलेंस का आरोप, 50 करोड़ के हर्जाने की मांग, मामला कोर्ट पहुंचा

पूर्व मिस इंडिया विनर, मिस यूनिवर्स रनर–अप और पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली हाग ने अपने पति, पीटर हाग, जो ऑस्ट्रिया के नागरिक हैं, के खिलाफ डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के तहत केस किया है। अर्जी में आरोप लगाया गया है कि तीन लड़कों की 47 साल की मां ष्उनके हाथों लगातार डोमेस्टिक वायलेंस का शिकार हुई हैं।ष सेलिना ने पीटर से 10 लाख रुपये महीने का मेंटेनेंस और 50 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है।

शिकायत में क्या कहा गया है

कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जेटली ने हाग पर घरेलू क्रूरता और इमोशनल परेशानी का आरोप लगाया है, और सुरक्षा, रहने के अधिकार और फाइनेंशियल राहत की मांग की है। कोर्ट ने मामले को मान लिया है, और खबर है कि हाग को एक नोटिस जारी किया गया है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे अभी विदेश में रह रहे हैं। हालांकि न तो सेलिना और न ही पीटर ने कोई पब्लिक स्टेटमेंट जारी किया है, लेकिन एक्टर के करीबी सूत्रों का कहना है कि कोर्ट जाने का फैसला श्लंबी पर्सनल मुश्किलोंश के बाद आया है। आने वाले हफ़्तों में इस केस की सुनवाई होने की उम्मीद है, और हाग के जवाब से कानूनी कार्रवाई का अगला रास्ता तय होगा।

शादी और बच्चे

सेलिना और हाग ने 2010 में शादी की थी, जिसे काफी हद तक एक शांत, लो–प्रोफ़ाइल सेरेमनी बताया गया था। इस कपल के तीन बच्चे हैं, जिनमें जुड़वां लड़के भी शामिल हैं, और उन्होंने अपनी ज़िंदगी भारत, दुबई और सिंगापुर के बीच बनाई थी। सालों तक, दोनों एक स्टेबल फ़ैमिली लाइफ़ बनाए रखते दिखे, अक्सर साथ में घूमने और त्योहारों की झलकियाँ पोस्ट करते रहे। इसलिए, यह कानूनी झगड़ा उन फ़ैन्स के लिए एक शॉक की तरह है, जिन्होंने उनके अच्छे लगने वाले सफ़र को फ़ॉलो किया था।

सर्दियों में ड्राई स्किन होगी दूर, बस इस तरह से चेहरे पर लगाएं फेस टोनर, पूरे दिन रहेंगी आप हाइड्रेट

अक्सर सर्दी के मौसम में ड्राई स्किन परेशान करती रहती है। इस मौसम में ड्राई स्किन से निपटना काफी मुश्किल होता है। ठंड में हवा में नमी काफी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई होने लगती है। सूखी त्वचा की समस्या से निपटने के लिए टोनर का प्रयोग करना उचित हैं लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना भी काफी जरुरी है। यदि आपकी स्किन ड्राई हो जाती है, तो हाइड्रेटिंग फेस टोनर आपके लिए बेस्ट है। आइए आपको बताते हैं कि इसका सही यूज कैसे करे। जब भी आप अपने त्वचा की देखभाल करना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने चेहरे पर जमा प्रदूषक, गंदगी, मैल आदि को हटाने के लिए अच्छे मॉइस्चाराइजिंग क्लींजर का यूज करें। इसकी मदद से आप चेहरे और गर्दन को साफ कर सकते हैं। जब त्वचा नम होती है तो टोनर आपकी स्किन में अच्छी तरह से अवशोषित हो जाते हैं। चेहरे को क्लींजर से धोने के बाद थोड़ा नम छोड़ते हुए माइक्रोफाइबर तौलिए से धीरे से थपथपाएं जरुर। इसके बाद आप स्किन को हाइड्रेटिंग रखने के लिए अच्छे क्वालिटी वाले टोनर को ले। मॉइस्चराइजिंग टोनर स्किन के पीएच लेवल को सुंतलित करने में मदद करता है। इसके साथ ही पहले रुखी त्वचा, ड्राई त्वचा में हाइड्रेशन को भी बढ़ावा देते हैं। टोनर को लगाने लिए एक कॉटन पैड पर कुछ बूंद टोनर की डालें और धीरे से ऊपर की ओर स्वाइप करें। चेहरे की नमी बनाए रखने के लिए फेस सीरम का प्रयोग करें। हथेली पर सिरम की बूंदें डालें और फिर फेस सीरम लगाएं। ये स्किन की चमक बनाए रखने में मदद करेगा। इसके साथ ही आप ड्राई स्किन से निपटने के लिए बेस्ट है।

दिल्ली के प्रदूषण से तंग हो गए हैं, तो इन प्राकृतिक जगहों पर जरुर घूमने जाएं

भारत के कई हिस्सों में इस समय प्रदूषण से बुरा हाल हो रखा है। जहरीली हवाओं में रह–रह कर जीना दुश्वार हो जाता है। दिल्ली के आसपास इलाकों में एक्यूआई लेवल 1000 के पार पहुंच गया है। इस दौरान अगर आप घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं तो भारत की इन जगहों पर जरुर जाएं। यहां पर आप प्रदूषण के बराबर मिलेगा। यहां आप खुलकर सांस ले सकते हैं। अगर आप शांत और सुकून से भरे जगह की तलाश में हैं तो आप इन परफेक्ट जगहों पर जरुर जा सकते हैं। खूबसूरत पहाड़ियों और घाटियों से घिरा ये शहर आपका का मन मोह लेगा। यहां की खूबसूरती और प्राकृतिक नजारे देखकर आपका मन खुश रहेगा।

मैंगलोर

दक्षिण भारत में घूमने के लिए कई शानदार जगहें है। यदि आप घूमने फिरना पसंद है तो आप मैंगलोर को अपनी लिस्ट में जरुर शामिल करें। यहां आप बीच के साथ ही प्राचीन मंदिर घूम सकते हैं। यहां आपको अलग आर्किटेक्चर देखने को मिलेगा।

गंगटोक

सिक्किम में मौजूद गंगटोक शहर बेहद ही खूबसूरत है। यहां पर घूमने का लिहाज से काफी आकर्षक, प्राकृतिक और बादलों से घिरी हुई शानदार जगह। इस पॉल्यूशन फ्री शहर में आप मजे कर सकते हैं।

कोल्लम

केरल में तिरुवनंतपुरम में एयरपोर्ट में करीब 80 किमी दूर कोल्लम शहर बेहद ही खूबसूरत है। यहां पर शांति से भरा वातावरण देखने को मिल जाएगा। यहां पर आप प्रचीन इतिहास और आधुनिक लाइफस्टाइल जरुर देख सकते हैं।

नॉर्मल डिलीवरी के बाद आराम है सबसे जरूरी, जानें कैसे करें सही देखभाल

नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिनसे उबरने में समय लगता है। यह समय नई मां के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि शरीर और मन दोनों को रिकवरी की जरूरत होती है। सही देखभाल और अच्छी आदतें अपनाकर इस प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। यहां हम कुछ असरदार टिप्स साझा कर रहे हैं, जो नॉर्मल डिलीवरी के बाद आपको जल्दी रिकवर करने में मदद करेंगे।

पूरी नींद लें

नॉर्मल डिलीवरी के बाद मां के शरीर को थकावट, हल्के दर्द और सूजन से उबरने के लिए आराम की सख्त जरूरत होती है। यह समय शरीर को पुनः ऊर्जा और ताकत देने का होता है। नई मां के लिए पूरी नींद लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि बच्चे की देखभाल का समय अधिक होता है। लेकिन जितना संभव हो, छोटे–छोटे अंतराल में सोने की कोशिश करें। सही नींद से शरीर को नई ऊर्जा मिलती है और दर्द या सूजन जैसी समस्याएं जल्दी ठीक होती हैं। हर संभव अवसर पर आराम करें। ज्यादा थकावट लेने से शरीर की रिकवरी में देरी हो सकती है। इसलिए अपनी दैनिक जिम्मेदारियों को हल्का रखें और अपने शरीर को आराम का समय दें। पार्टनर और परिवार के अन्य सदस्यों से मदद मांगें। परिवार का सहयोग इस समय मां के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से फायदेमंद साबित होता है। आराम को प्राथमिकता देकर मां न केवल अपनी रिकवरी को तेज कर सकती है, बल्कि अपने बच्चे की बेहतर देखभाल के लिए भी खुद को तैयार कर सकती है।

पोषणयुक्त आहार का सेवन करें

नॉर्मल डिलीवरी के बाद मां के शरीर को पोषण की अत्यधिक जरूरत होती है। इस समय आयरन और कैल्शियम से भरपूर आहार लेना जरूरी है। हरी सब्जियां, दाल, दूध और सूखे मेवे का सेवन शरीर को जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। साथ ही, प्रोटीन और विटामिन्स से भरपूर फल और दालें मां की ताकत बढ़ाने में मदद करती हैं और रिकवरी को तेज करती हैं। जंक फूड और तैलीय भोजन से बचें, क्योंकि यह पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। सही आहार न केवल शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है, बल्कि यह स्तनपान के दौरान बच्चे को भी लाभ पहुंचाता है।

हल्की एक्सरसाइज और योग करें

डिलीवरी के बाद हल्की एक्सरसाइज और योग करने से मां के शरीर को शारीरिक ताकत और मानसिक सुकून मिलता है। शुरुआती दिनों में धीरे–धीरे पैदल चलना शरीर में गति लाने और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने का अच्छा तरीका है। हल्के योगासन मांसपेशियों को ताकत और लचीलापन देते हैं। हालांकि, किसी भी एक्सरसाइज या योग को शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यह सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर इसे अपनाने के लिए तैयार है और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होगी।

शरीर को हाइड्रेट रखें

डिलीवरी के बाद मां के शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और अंग बेहतर तरीके से काम करते हैं। खासकर स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए हाइड्रेशन बेहद आवश्यक है, क्योंकि यह दूध उत्पादन को बढ़ावा देता है। पानी के साथ–साथ नारियल पानी और हर्बल चाय जैसे पेय पदार्थ भी शरीर को ऊर्जा और पोषण प्रदान करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें

शारीरिक रिकवरी के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। मां बनने के बाद कई महिलाएं भावनात्मक उतार–चढ़ाव का अनुभव करती हैं। इस समय परिवार और दोस्तों से भावनात्मक सहयोग लेना मददगार हो सकता है। खुद को खुश रखने के लिए सकारात्मक माहौल बनाएं और जरूरत महसूस हो तो किसी विशेषज्ञ से सलाह लेने में संकोच न करें। आत्मदेखभाल भी जरूरी हैकृअपने लिए समय निकालें, अपनी पसंदीदा चीजें करें, और मानसिक शांति बनाए रखें।

सही देखभाल क्यों जरूरी है?

नॉर्मल डिलीवरी के बाद शरीर को सामान्य स्थिति में लौटने के लिए समय और सही देखभाल की जरूरत होती है। सही आहार, पर्याप्त आराम, एक्सरसाइज, हाइड्रेशन और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखकर महिलाएं अपनी रिकवरी प्रक्रिया को तेज और सहज बना सकती हैं। साथ ही, इस समय परिवार और पार्टनर का सहयोग बेहद अहम होता है। जब मां को सही देखभाल और प्यार मिलता है, तो वह जल्दी से स्वस्थ होकर अपनी दिनचर्या में लौट सकती है।

इस समय परिवार और पार्टनर की जिम्मेदारी होती है कि वह मां का हरसंभव ख्याल रखें ताकि वह आसानी से अपनी दिनचर्या में लौट सके। सही देखभाल से यह सफर न केवल आसान होगा बल्कि मां और बच्चे दोनों के लिए सुखद भी।

ठंड में रखें सेहत का ख्याल, जानें क्या खाएं और क्या न खाएं

सर्दियों का मौसम अपनी ठंडक और स्वादिष्ट खानपान के लिए जाना जाता है, जहां गजक, रेवड़ी और गुड़ के लड्डू जैसी चीजें हर घर की पसंद बन जाती हैं। लेकिन ठंड के इस आरामदायक मौसम में हमारा खानपान हमारी सेहत पर बड़ा असर डालता है। जहां कुछ खाद्य पदार्थ शरीर को गर्म और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं जो हमारी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। तो आइए जानते हैं, सर्दियों में किन चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए ताकि आपकी सेहत बनी रहे और आप इस मौसम का भरपूर आनंद उठा सकें।,

सर्दियों में इन चीजों से बचें

ठंडी और बर्फीली चीजें

सर्दियों में आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, और फ्रिज का ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए क्योंकि ये शरीर का तापमान कम करती हैं। इससे इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे सर्दी, खांसी, गले की खराश, और बुखार जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ठंडी चीजों का अधिक सेवन शरीर को अंदर से ठंडा करता है, जिससे जोड़ों में दर्द और सर्दियों के अन्य संक्रमण हो सकते हैं। इसके अलावा, ठंडी चीजें गले की मांसपेशियों को प्रभावित करती हैं और इन्फ्लूएंजा का खतरा बढ़ाती हैं।

डीप फ्राई खाद्य पदार्थ

पकौड़ी, कचौड़ी, समोसे, पूरियां, और अन्य तले हुए खाद्य पदार्थों का सर्दियों में अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र पर दबाव बढ़ता है। ठंड के मौसम में पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे भारी भोजन को पचाना मुश्किल हो जाता है। यह गैस, एसिडिटी, अपच, और पेट दर्द का कारण बन सकता है। तैलीय भोजन में ट्रांस फैट की मात्रा अधिक होती है, जो हृदय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अतिरिक्त, ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाकर वजन बढ़ने का कारण बनते हैं।

ज्यादा कैफीन का सेवन

सर्दियों में गर्म रहने के लिए लोग चाय और कॉफी का अधिक सेवन करते हैं। हालांकि, कैफीन का ज्यादा सेवन शरीर को डिहाइड्रेट कर देता है, जिससे त्वचा में रूखापन, फटे होंठ, और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कैफीन नींद के पैटर्न को भी बाधित कर सकता है, जिससे थकावट और मानसिक तनाव बढ़ता है। इसके अलावा, यह शरीर में एसिडिटी और पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। कैफीन का अधिक सेवन हड्डियों की कमजोरी और जोड़ों में दर्द का कारण भी बन सकता है।

ज्यादा मीठा खाना

गाजर का हलवा, मूंग का हलवा, और अन्य मीठी चीजों का अधिक सेवन सर्दियों में स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ज्यादा मीठा खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है, जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। अतिरिक्त चीनी का सेवन शरीर में वसा के रूप में जमा हो जाता है, जो वजन बढ़ाने और मोटापे का कारण बनता है। इससे दांतों की सड़न और गम संक्रमण जैसी दंत समस्याएं भी हो सकती हैं। सर्दियों में मीठा खाने से शरीर की ऊर्जा का असंतुलन हो सकता है, जिससे आलस्य और थकान महसूस होती है।

जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड

सर्दियों में जंक फूड जैसे बर्गर, पिज्जा, चिप्स, और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें। इनमें प्रिजर्वेटिव्स और केमिकल्स मौजूद होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर देते हैं। इन खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है और यह शरीर में विषाक्त पदार्थों को बढ़ाते हैं। जंक फूड का अधिक सेवन हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, और कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। सर्दियों में प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और संक्रमण का खतरा बढ़ता है। यह भोजन शरीर में सूजन और थकावट पैदा कर सकता है। सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए ताजा और पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें। इन हानिकारक चीजों से बचकर आप सर्दियों का आनंद पूरी तरह से ले सकते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं ये टिप्स

ताजे फल और सब्जियों को करें डाइट में शामिल

ताजे फल और सब्जियां सर्दियों के लिए बेहतरीन आहार हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स, और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। संतरा, आंवला, गाजर, शलजम, पालक, और मूली जैसी मौसमी सब्जियां और फल खाएं। ये न केवल शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं, बल्कि त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में भी मदद करते हैं। फलों का सेवन कच्चा करें या सलाद के रूप में खाएं, और सब्जियों को हल्के मसालों के साथ पकाएं ताकि पोषक तत्व बरकरार रहें।

संतुलित आहार लें

सर्दियों में ओवरईटिंग से बचना बेहद जरूरी है, क्योंकि भारी और ज्यादा खाना पाचन पर दबाव डाल सकता है। संतुलित आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, और फाइबर को शामिल करें। घी और मक्खन का सेवन सीमित मात्रा में करें। भोजन में साबुत अनाज, दालें, और हल्का सूप शामिल करें, जो आसानी से पच सके। रात के समय हल्का भोजन करें, ताकि सोने के दौरान शरीर को आराम मिले। संतुलित आहार न केवल वजन को नियंत्रित करता है, बल्कि शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए ग्रीन टी, अदरक की चाय, मसाला चाय, और हल्दी वाला दूध बहुत फायदेमंद हैं। ये पेय पदार्थ शरीर को डिटॉक्स करने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। गर्म पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से गले की खराश और सर्दी–जुकाम में राहत मिलती है। हल्दी वाला दूध एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है और ठंड से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा, सूप और हर्बल चाय का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

व्यायाम करें

ठंड के मौसम में शरीर को सक्रिय और स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है। सुबह की सैर, योग, स्ट्रेचिंग, और हल्के वर्कआउट को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। सर्दियों में मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने और रक्त संचार को बेहतर करने के लिए व्यायाम बहुत फायदेमंद है। ठंड में व्यायाम करने से शरीर गर्म रहता है और मूड बेहतर होता है। व्यायाम के बाद गर्म पानी से स्नान करें और आरामदायक कपड़े पहनें। अगर बाहर जाना संभव न हो, तो घर पर ही छोटे–छोटे एक्सरसाइज रूटीन अपनाएं। सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए यह जरूरी है कि आप अपने खानपान, आदतों और दिनचर्या में संतुलन बनाए रखें। इन उपायों को अपनाकर आप न केवल बीमारियों से बच सकते हैं, बल्कि ठंड के मौसम का पूरा आनंद भी ले सकते हैं।

संक्षिप्त

पीयूष गोयल का दावा: मोदी के नए श्रम कानून क्रांतिकारी, गिग वर्कर्स को भी मिलेगा सामाजिक सुरक्षा का लाभ

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को हाल ही में लागू किए गए चार श्रम संहिताओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और इन्हें भारतीय कार्यबल के लिए गेम–चेंजर बताया। राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से बात करते हुए, गोयल ने नई श्रम संहिताओं को भारतीय कार्यबल को नियंत्रित करने वाले 29 कानूनों का संतुलित और सुव्यवस्थित संयोजन बताया। उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिताएँ उस विश्वास का एक उत्कृष्ट प्रमाण हैं जो प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के सभी वर्गों से अर्जित किया है। 140 करोड़ भारतीयों को हमारे प्रधानमंत्री पर भरोसा है और नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों, दोनों ने इसका हार्दिक स्वागत किया है। यह इन चार श्रम संहिताओं में 29 कानूनों का एक संतुलित और सुव्यवस्थित संयोजन है। इसके अलावा, उन्होंने न्यूनतम मजदूरी, व्यावसायिक सुरक्षा, गिग श्रमिकों और कार्यबल में महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा में सुधारों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, ष्यह न्यूनतम वेतन, व्यावसायिक सुरक्षा, गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा और एक तरह से महिलाओं के लिए कार्यबल में आने के अवसर सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत यह एक क्रांतिकारी कदम है। मुझे विश्वास है कि राज्य इन श्रम संहिताओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए कानूनी ढाँचे तैयार करेंगे। एक ऐतिहासिक निर्णय में, भारत सरकार ने पिछले शुक्रवार को घोषणा की कि चार श्रम संहिताएँ – वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 तत्काल प्रभाव से लागू हो रही हैं। ये चारों संहिताएँ 29 मौजूदा श्रम कानूनों को युक्तिसंगत बनाती हैं। महिलाओं को लाभ पहुँचाते हुए, ये संहिताएँ लैंगिक भेदभाव पर रोक लगाती हैं, समान वेतन का आदेश देती हैं, और महिलाओं के लिए भूमिगत खनन और भारी मशीनरी सहित सभी क्षेत्रों में काम करने के द्वार खोलती हैं, साथ ही उनकी सुरक्षा और सहमति के अधीन रात्रि पाली में काम करने की अनुमति भी देती हैं। संहिताओं में घर से काम करने जैसे लचीले प्रावधान भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है। वेतन संहिता, 2019 के तहत, सभी श्रमिकों को न्यूनतम वेतन भुगतान का वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा। न्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

टाटा मोटर्स को सिएरा के दम पर एसयूवी हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को उम्मीद है कि पुराने ब्रांड सिएरा को नए अवतार में पेश किए जाने से उसकी कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक पहुंच सकती है। कंपनी ने हाल ही में मध्यम आकार के एसयूवी खंड में अपने पुराने ब्रांड 'सिएरा' को कई वर्षों के बाद फिर से पेश किया है। इस वाहन खंड पर फिलहाल हुंदै क्रेटा, किआ सेल्टोस और मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा जैसे मॉडल का

दबदबा है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने पीटीआई–से कहा कि यात्री वाहन उद्योग के स्तर पर एसयूवी की हिस्सेदारी 55–60 प्रतिशत के बीच स्थिर हो सकती है। जीएसटी दरों में कटौती के बाद गैर–एसयूवी खंड में सुधार की संभावनाएं हैं, हालांकि वृद्धि की गति नए मॉडल की संख्या पर निर्भर करेगी। सिएरा मॉडल की शुरुआती कीमत 11.49 लाख रुपये रखी गई है। यह दो पेट्रोल और एक डीजल इंजन विकल्प में उपलब्ध होगी। इसका इलेक्ट्रिक संस्करण भी अगले वित्त वर्ष में पेश किया जाएगा। चंद्रा ने कहा कि फिलहाल कंपनी की बिक्री में एसयूवी मॉडल की हिस्सेदारी 65–70 प्रतिशत है और नया मॉडल इसे आगे बढ़ाएगा। अक्टूबर में कंपनी की कुल खुदरा बिक्री 75,352 इकाइयों पर पहुंची, जो सालाना आधार पर 13.5 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद कॉम्पैक्ट और सब–कॉम्पैक्ट एसयूवीकी मांग तेजी से बढ़ी है और नेक्सॉन एवं पंच जैसे मॉडलों ने कंपनी को उल्लेखनीय बढ़त दिलाई है। सिएरा के लिए बुकिंग 16 दिसंबर से शुरू होगी और 15 जनवरी, 2026 से इसकी आपूर्ति भी शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि जीएसटी दरों में कटौती के बाद हैचबैक की बिक्री भी बढ़ी है, लेकिन एसयूवी अब भी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है।

फेड की संभावित दर कटौती की उम्मीदों से सर्राफा बाजार गुलजार

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच वायदा कारोबार में मंगलवार को सोने की कीमत 1,458 रुपये की तेजी के साथ 1,25,312 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से अगले महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर डिलीवरी के लिए सोना वायदा भाव 1,458 रुपये या 1.18 प्रतिशत बढ़कर 1,25,312 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जिसमें 8,599 लॉट के लिए कारोबार हुआ। चांदी वायदा में भी खरीदारी देखी गई। दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी का भाव 2,583 रुपये या 1.67 प्रतिशत बढ़कर 1,57,065 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया जिसमें 9,492 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

बल्लेबाजी में दम नहीं, धैर्य की कमी: कुंबले ने टीम इंडिया के 201 पर ऑलआउट होने पर जताई नाराजगी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले ने कहा कि ष्भारत का बल्लेबाजी प्रयास काफी खराब थाष्और गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की पहली पारी में उनमें लड़ाई और धैर्य की कमी थी। पहली पारी में 489 रन देने के बाद, भारत टेस्ट की दूसरी पारी में सिर्फ 201 रनों पर ऑल आउट हो गया, जिसमें यशस्वी जायसवाल और वाशिंगटन 30 रन का आंकड़ा पार करने वाले एकमात्र बल्लेबाज थे। कोलकाता में श्रृंखला के पहले मैच में हार का सामना करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला को बराबर करने की भारत की संभावनाएं खराब दिख रही हैं, क्योंकि वे मैच में 314 रनों से पीछे हैं। दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर मार्को जानसन ने गेंद से प्रोटियाज के लिए शानदार प्रदर्शन किया। जियोस्टार के शो शक्रिकेट लाइवश में बोलते हुए, कुंबले ने टेस्ट मैच में भारत की बल्लेबाजी की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें धैर्य, लचीलापन और टेस्ट मैचों में आवश्यक सत्र–दर–सत्र रणनीति का अभाव था। उन्होंने मार्को जेनसन की गेंदबाजी की प्रशंसा की और कहा कि भारत को बाउंसरों सहित चुनौतीपूर्ण स्पेल से निपटने में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने अपनी पारी को धीरे–धीरे आगे बढ़ाने के बजाय तेज़ी से रन बनाने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित किया। जियोस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट में आवश्यक दृढ़ता और धैर्य की कमी थी। हालाँकि कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गईं, लेकिन बल्लेबाज़ कठिन स्पेल झेलने या सत्र–दर–सत्र खेलने के लिए तैयार नहीं दिखे।ष उन्होंने आगे कहा, ष्ऐसा लग रहा था कि लक्ष्य तेज़ी से रन बनाना था, जो एक ऐसे टेस्ट मैच में अवास्तविक है जहाँ 489 रन धीरे–धीरे बनाने होते हैं। विपक्षी गेंदबाज़ों और उनके स्पेल का सम्मान करना बेहद ज़रूरी है, लेकिन भारत ने वह लचीलापन नहीं दिखाया। मार्को जेनसन ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और भारत पर लगातार दबाव बनाए रखा। जब उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू किया, जो उनके लंबे कद और बेमेल लंबाई को देखते हुए मुश्किल हो सकता है, तो ऐसा लगा कि भारत न तो गेंद छोड़ने के लिए तैयार है और न ही वार झेलने के लिए। टेस्ट क्रिकेट में चुनौतीपूर्ण स्पेल से बचने के लिए यह तरीका ज़रूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से, आज भारत के तरीके में इसकी कमी दिखी। गौरतलब है कि सेनुरन मुथुसामी, जिन्हें दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में नहीं खेला था, को टीम में शामिल किया गया और उन्होंने मैच की पहली पारी में शानदार शतक जड़ा। मुथुसामी ने 109 रन बनाए और जेनसन के साथ मिलकर 97 रनों की साझेदारी की। कुंबले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने चयन और प्रदर्शन में शानदार प्रदर्शन किया, मुथुसामी के शतक और मार्को जेनसन के साथ उनकी साझेदारी ने मैच पर कब्ज़ा जमाया। उन्होंने कहा कि भारत के शीर्ष क्रम में निचले क्रम जैसा जुझारूपन और जज्बा नहीं था, जिससे दक्षिण अफ्रीका 325 रनों की बढ़त के साथ और दो दिन शेष रहते हुए भी दबदबे में रहा।

टीम इंडिया दबाव में!: गुवाहाटी में बल्लेबाजी फेल होने पर हुई गंभीर की आलोचना, फैंस ने ग्रेग चैपल से तुलना की

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम की शर्मनाक बल्लेबाजी ने गंभीर की रणनीतियों और टीम कॉम्बिनेशन पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। कई फैंस और एक्सपर्ट गंभीर की तुलना पूर्व कोच ग्रेग चौपेल से कर रहे हैं, जिनके कार्यकाल को भारतीय क्रिकेट का सबसे कठिन दौर माना जाता है।

गुवाहाटी टेस्ट: उम्मीदों का पतन

बारसापारा स्टेडियम में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 489 रन के बड़े अंतर से पिछड़ते हुए जवाब देना था, लेकिन पूरी टीम मात्र 201 पर ढेर हो गई। टीम की शुरुआत संतुलित थी और स्कोरबोर्ड 95/1 दिखा रहा था, लेकिन इसके बाद भारतीय बल्लेबाज ध्वस्त होते चले गए। सिर्फ यशस्वी जायसवाल (58) और वॉशिंगटन सुंदर (48) क्रीज पर टिक पाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों साइमन हार्मर (3/64) और मार्को यानसेन (6/48) ने भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरियों को बेनकाब कर दिया। केएल राहुल (22), ऋषभ पंत (7), और रवींद्र जडेजा (6) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने निराश किया।

गंभीर की रणनीति पर सवाल

टीम इंडिया के लगातार बदलते बैटिंग ऑर्डर, अनियंत्रित रोटेशन और पिच आधारित रणनीति ने फैंस को नाराज कर दिया है। आलोचकों का आरोप है कि गंभीर खिलाड़ियों को उनके सही बल्लेबाजी स्थान पर टिकने ही नहीं देते। साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0–3 की व्हाइटवॉश हार के बाद यह स्थिति और खराब होती दिख रही है। गंभीर के कार्यकाल में भारत ने इस मैच से पहले 18 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से सात जीते, नौ हारे और दो ड्रॉ रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खराब स्थिति भारत को एक और व्हाइटवॉश की तरफ ढकेल रही है। कोलकाता में हार के बाद टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0–1 से पीछे है।

फैंस ने की ग्रेग चौपल से तुलना

सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में भारतीय फैंस गंभीर को भारतीय ग्रेग चौपल कह रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि चौपल के कोचिंग दौर में भारतीय क्रिकेट ने सबसे कठिन समय देखा था। 2007 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होना और 2006 चौंपियंस ट्रॉफी में शुरुआती राउंड में बाहर रहना शामिल हैं।

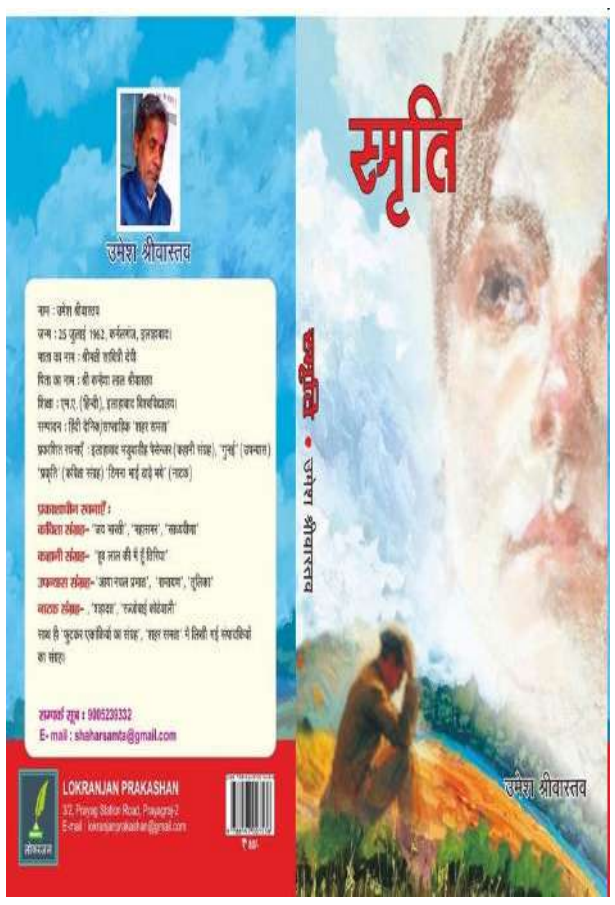

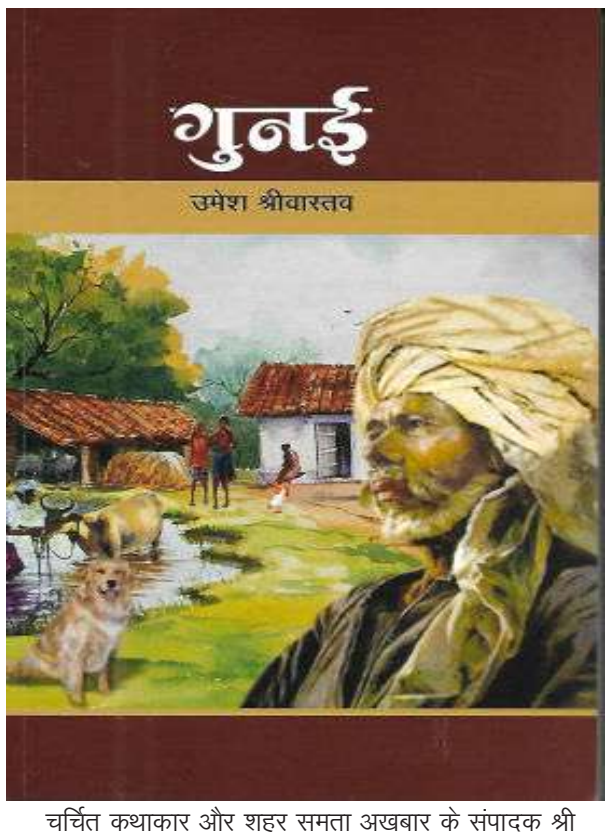

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

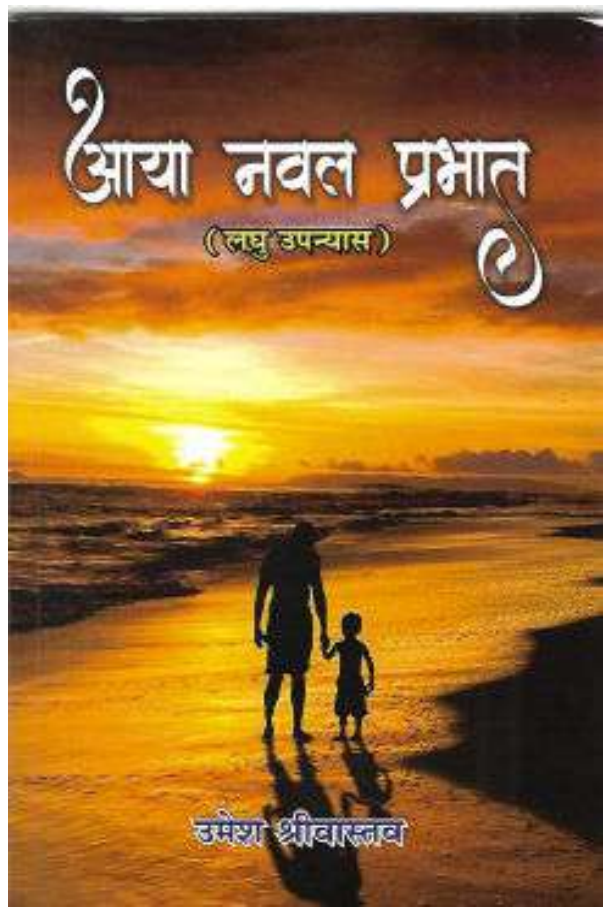

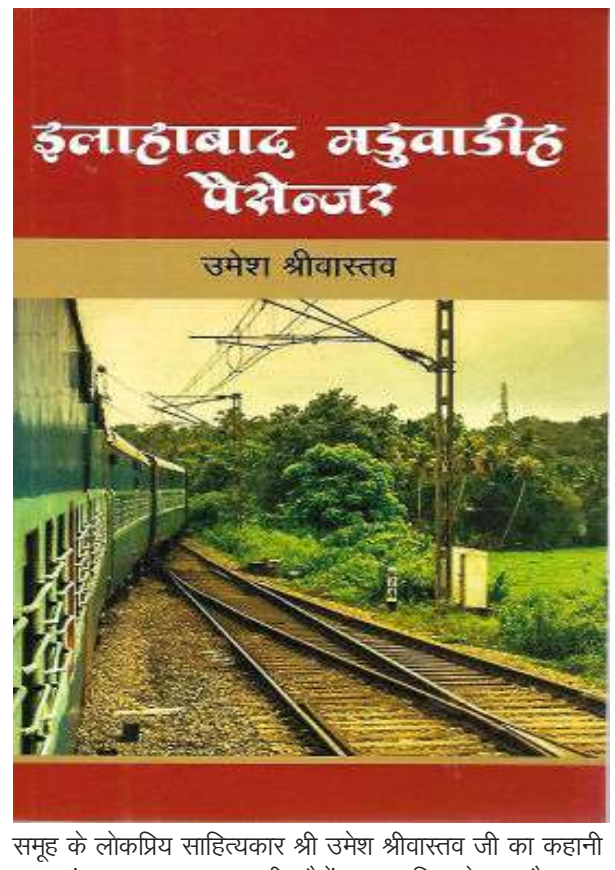

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

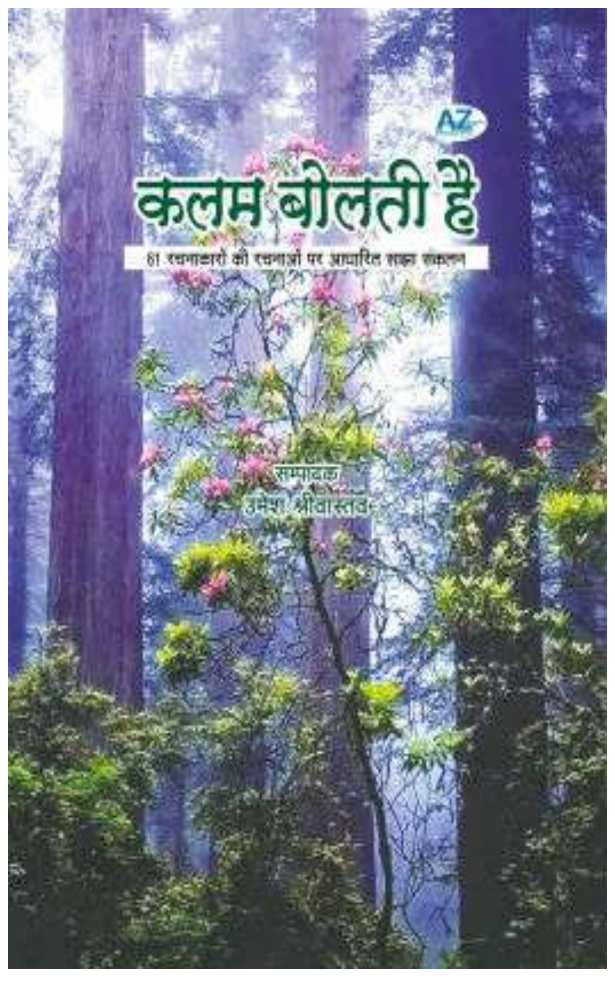

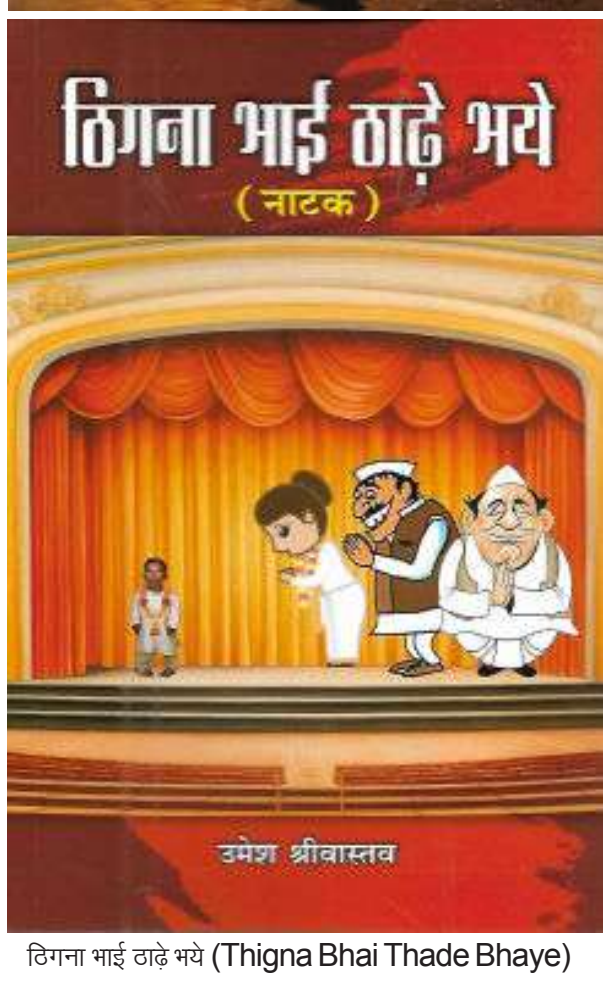

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हमला, बमबारी में नौ बच्चों समेत 10 की मौत, 4 घायल

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच छिड़ा संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर शांति समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान आए दिन अफगानिस्तान के नागरिकों को निशाना बनाकर बमबारी करने में लगा हुआ है। पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान में घुसपैठ कर सोमवार की देर रात को हमले को अंजाम दिया। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने मंगलवार को बताया कि इन हमलों में नौ बच्चों और एक शख्स की मौत हो गई। अफगान सरकार के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में कहा, बीती रात करीब 12 बजे खोस्त प्रांत के गोरबुज जिले के मुगलगई इलाके में पाकिस्तानी हमलावर सैन्यबलों ने एक घर पर बमबारी की। इस हमले में एक स्थानीय नागरिक वलीयत खान की मौत हो गई। साथ ही पांच लड़के और चार लड़कियों की मौत हो गई। जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि कुनार और पक्तिका इलाकों में भी पाकिस्तान की ओर से एयरस्ट्राइक की गई है। इन हमलों में चार नागरिक घायल हुए हैं। अफगानिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत जालमे खलीलजाद ने पाकिस्तान की ओर से किए गए हमले में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया। खलीलजाद ने कहा कि नागरिकों की हत्या और व्यापक युद्ध का जोखिम उठाना पाकिस्तान और अफगानिस्तान की दिक्कतों का हल नहीं है। उन्होंने कहा कि धैर्यपूर्ण और यथार्थवादी कूटनीति एक बेहतर विकल्प है। पूर्व राजदूत जालमे खलीलजाद ने बताया कि ऐसी खबरें हैं कि तुर्किए का एक प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद और काबुल का दौरा करेगा, ताकि दोनों देशों के बीच समझौता कराया जा सके। खलीलजाद ने इस पहल की तारीफ करते हुए कहा कि इस समझौते के बाद अंकारा में एक निगरानी कार्यालय बन सकता है, जिसमें तुर्किए, कतर, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के अधिकारी तैनात होंगे। उन्होंने कहा कि ये निगरानी केंद्र न केवल नजर बनाए रखेगा, बल्कि किसी भी उल्लंघन की रिपोर्ट मिलने पर उस समस्या का समाधान भी निकाल सकता है।

संक्षिप्त

भारतीय सामानों पर लगेगा जीरो टैरिफ, अफगानिस्तानी मंत्री ने कही बड़ी बात

अफ़ग़ानिस्तान के वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन ने कहा कि नई दिल्ली और काबुल द्विपक्षीय व्यापार को पुनर्जीवित करने और विस्तारित करने के काफ़ी क़रीब पहुँच गए हैं। दोनों पक्षों ने वीज़ा और कनेक्टिविटी संबंधी उन मुद्दों को सुलझा लिया है जो व्यापारिक संबंधों में बाधा बन रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों देश अब गर्व की भावना के साथ काम कर रहे हैं और उनका लक्ष्य व्यापार को मौजूदा 1 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से आगे ले जाना है। नूरुद्दीन ने कहा कि वीज़ा और सीधी उड़ानों से जुड़ी समस्याओं का समाधान कर लिया गया है, जिससे व्यापारियों और यात्रियों की सुगम आवाजाही का रास्ता साफ़ हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि चाबहार लिंक, ज़मीनी मार्गों और हवाई गलियारे पर भी बातचीत आगे बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि दोनों देश व्यापार पर संयुक्त कार्य समूह को सक्रिय करने पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत प्रत्येक पक्ष एक–दूसरे की राजधानी में एक वाणिज्यिक अटैची तैनात करेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह एक महीने के भीतर लागू हो जाएगा। व्यापारिक जुड़ाव बढ़ाने के लिए, भारत और अफ़ग़ानिस्तान एक संयुक्त वाणिज्य मंडल स्थापित करेंगे और व्यापार विस्तार को बढ़ावा देने के लिए टैरिफ़ में पारस्परिक रूप से कमी की जाएगी। उद्योगों को दोनों पक्षों के बाज़ारों तक सीधी पहुँच प्रदान करने के लिए हर साल व्यापार मेलों का आयोजन किया जाएगा। अफगान निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में अफगान खाद्य वस्तुओं पर एफएसएसएआई शुल्क शून्य हो जाएगा, जिससे भारत में कृषि और प्रसंस्कृत वस्तुओं का प्रवेश आसान हो जाएगा। भारत इलाज कराने आए अफ़ग़ान नागरिकों के लिए और वीज़ा जारी करेगा। नूरुद्दीन ने बताया कि अफ़ग़ानिस्तान ने एक प्रमुख भारतीय अस्पताल श्रृंखला को देश में शाखा खोलने के लिए आमंत्रित किया है, और भारत इस सहयोग के तहत तकनीशियन और विशेषज्ञ भेजने वाला है। वित्तीय मामलों पर, उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में कुछ छोटी–मोटी समस्याएँ हैं, लेकिन दोनों देशों के बैंक संपर्क में रहेंगे और सहयोग को आगे बढ़ाएँगे।

अमेरिका के शांति प्रयासों पर रूस का वार, कीव में मिसाइलों की बौछार, यूक्रेन के रिहायशी इलाकों में तबाही

रूस ने मंगलवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव में आवासीय इमारतों और ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाते हुए कई हमले किए। स्थानीय प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। कीव पर रूसी मिसाइलों की बौछार हुई, जिसे यूक्रेन के एनर्जी मिनिस्टर ने एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर ष्बड़ाष हमला बताया। कीव में कम से कम चार लोग घायल हुए। राजधानी के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के हेड तिमुर तकाचेंको ने कहा कि नीप्रो नदी के दूसरी तरफ एक जिले में एक ऊंची रिहायशी इमारत पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि चार लोगों का इलाज किया गया और कम से कम आठ लोगों को इमारत से बचाया गया। अनऑफिशियल टेलीग्राम चौनलों पर पोस्ट की गई तस्वीरों में ऊपरी मंजिलों पर अपार्टमेंट में आग लगी हुई दिख रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के सेंटर के पेचेर्स्क जिले में एक और ऊंची इमारत पर हमला होने के बाद उसे खाली कराया जा रहा है। उन्होंने कीव की बिजली और पानी की सप्लाई में रुकावट की भी खबर दी। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के मुताबिक, कुछ इलाकों में बिजली और पानी की सप्लाई में दिक्कत आ रही है। मेयर ने कहा कि शहर के एक इलाके में एक रिहायशी बिल्डिंग में मलबा गिरने से आग लग गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, मध्य पेचेरस्क जिले में एक आवासीय इमारत और पूर्वी जिले दिनप्रोव्स्की में एक अन्य इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा है। 'टेलीग्राम' पर साझा किए गए हमले के वीडियो फुटेज में देखा गया कि दिनप्रोव्स्की में नौ मंजिला इमारत की कई मंजिलों में भीषण आग लगी है। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तिमोर त्काचेंको ने कहा कि कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा अवसंरचना पर हमला किया गया है लेकिन उसने यह नहीं बताया कि किस प्रकार की संरचना को निशाना बनाया गया या नुकसान कितना हुआ है। रूस का यह हमला रविवार को जिनेवा में अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच अमेरिका–रूस की मध्यस्थता वाले शांति प्रस्ताव पर हुई बातचीत के बाद हुआ। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ओलेक्जेंडर बेवज़ ने सोमवार को बताया था कि वार्ता ''बहुत रचनात्मक'' रही और दोनों पक्षों ने अधिकांश मुद्दों पर चर्चा की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने सोमवार को कहा कि उन्होंने नवीनतम प्रस्ताव को अभी तक नहीं देखा है।

इथोपिया ज्वालामुखी में विस्फोट DGCA की भारतीय विमानों एडवाइजरी, 5 प्वाइंट में समझिए भारत पर असर

इथियोपिया के हैली गुब्बी ज्वालामुखी में करीब 12 हजार साल बाद विस्फोट हुआ है। इस विस्फोट से उठा राख का विशाल गुबार अब उत्तर भारत की ओर बढ़ रहा है। यह ज्वालामुखी इथियोपिया के एर्ता अले पर्वत श्रृंखला में स्थित है। रविवार को हुए विस्फोट के बाद राख का गुबार लाल सागर को पार कर पूर्व की ओर ओमान और यमन की ओर गया। इसे लेकर स्पाइसजेट और अकासा एयरलाइंस ने अलर्ट जारी किया है। जबकि, कोच्चि से जेद्दा और दुबई जाने वाली उड़ानें सावधानी के तौर पर रद्द की गई हैं। रद्द की गई उड़ानों में इंडिगो की सेवा 6ई1475 (कोच्चि दुबई) और अकासा एयर की उड़ान क्यूपी 550 (कोच्चि जेद्दा) शामिल हैं। एयरपोर्ट प्राधिकरण का कहना है कि हालात सामान्य होने पर उड़ान संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

दाह संस्कार के लिए 500 किमी दूर ले गया भाई, आग लगने से पहले ताबूत में हुई दस्तक, जिंदा निकली महिला

बैंकॉक। थाईलैंड में एक महिला का दाह संस्कार किए जाने से पहले अचानक ताबूत में दस्तक हुई। इसके बाद जब ताबूत खोलकर देखा गया तो उसमें महिला जिंदा निकली। इस घटना से मंदिर के कर्मचारियों भी चौंक गए। अंतिम संस्कार के लिए लाए जाने के बाद महिला अपने ताबूत में हिलने लगी थी। बैंकॉक के बाहरी इलाके में नोनथाबुरी प्रांत में स्थित बौद्ध मंदिर वाट रत प्रखोंग थाम ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें एक महिला को एक पिकअप ट्रक के पीछे सफेद ताबूत में लेटे हुए दिखाया गया है, जो अपने हाथों और सिर को थोड़ा हिला रही है, जिससे मंदिर के कर्मचारी हैरान रह गए। मंदिर के सामान्य और वित्तीय मामलों के प्रबंधक, पायरत सूदथूप ने सोमवार को बताया कि 65 वर्षीय महिला का भाई उसे दाह संस्कार के लिए फिट्सानुलोक प्रांत से गाड़ी में लेकर आया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने ताबूत से हल्की सी दस्तक सुनी। मंदिर के कर्मचारी ने बताया कि मैं थोड़ा हैरान था, इसलिए मैंने उनसे ताबूत खोलने को कहा और सब चौंक गए। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि उसने अपनी आंखें थोड़ी खोलीं और ताबूत के किनारे पर दस्तक दी। वह शायद काफी देर से दस्तक दे रही होगी। पायरत के मुताबिक उसके भाई ने बताया कि उसकी बहन लगभग दो साल से बिस्तर पर थी। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गई। ऐसा लगा जैसे दो दिन पहले उसकी सांसें थम गई हों। फिर भाई ने उसे एक ताबूत में रखा और 500 किलोमीटर का सफर तय करके बैंकॉक के एक अस्पताल पहुंचा, जहां महिला ने अपने अंगदान की इच्छा जताई थी। पायरत ने बताया कि अस्पताल ने भाई के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसके पास आधिकारिक मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था। उनके मंदिर में मुफ्त दाह संस्कार की सुविधा है, इसलिए भाई ने रविवार को उनसे संपर्क किया, लेकिन दस्तावेज न होने के कारण उन्हें भी मना कर दिया गया। मंदिर प्रबंधक ने बताया कि जब वह उसे मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का तरीका समझा रहे थे, तभी उन्हें ताबूत से दस्तक सुनाई दी। फिर उन्होंने उसकी जांच की और उसे पास के अस्पताल भेज दिया। पायरत के अनुसार मठाधीश ने कहा कि मंदिर उनके इलाज का सारा खर्च उठाएगा।

शेख हसीना को भारत से वापस भेजने की मांग, ढाका की अंतरिम सरकार ने भेजा एक और कड़ा संदेश

बांग्लादेश की राजनीति इन दिनों फिर गरमा गई है और इसी बीच खबर आई है कि ढाका की अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से वापस भेजने के लिए एक और औपचारिक अनुरोध भेजा है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह ताज़ा अनुरोध उस समय आया है जब इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने हसीना को अनुपस्थिति में मौत की सज़ा सुनाई है। बता दें कि 78 वर्षीय हसीना अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं, जब छात्र आंदोलन द्वारा हुए "जुलाई विद्रोह" के बाद उनकी सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। गौरतलब है कि बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने रविवार को पुष्टि की कि नई दिल्ली को नया नोट वर्बेल भेजा गया है। यह पत्र बांग्लादेश हाई कमीशन, नई दिल्ली के माध्यम से भेजा गया और यह उस समय आया है जब बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान भारत की क्षेत्रीय सुरक्षा बैठक से लौटे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह हसीना के खिलाफ ढाका द्वारा भेजा गया तीसरा औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध है। इससे पहले दिसंबर 2024 और फिर अदालत के फैसले के बाद भी ऐसे पत्र भेजे जा चुके हैं। इसी मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व गृहमंत्री असदुज़्ज़मान खान कमाल को भी वापस भेजने की मांग की गई है, जो फिलहाल भारत में छिपे होने की आशंका है। सोमवार को आए फैसले के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूद प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत का दायित्व है कि वह दोषी व्यक्तियों को वापस भेजे। मंत्रालय ने यह भी चेताया कि मानवता के खिलाफ अपराधों में दोषी पाए गए लोगों को शरण देना "गंभीर तौर पर विरोधी व्यवहार" माना जाएगा, जो न्याय की अवहेलना है। भारत ने इस मामले पर संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसने अदालत के निर्णय को "नोट" किया है और वह बांग्लादेश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता का समर्थन जारी रखेगा। हालांकि, भारत ने किसी भी प्रत्यर्पण अनुरोध पर सीधी टिप्पणी नहीं की है। सुरक्षा विशेषज्ञ भी मानते हैं कि द्विपक्षीय संधि और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार भारत को औपचारिक अनुरोध मिलने पर दोषियों को वापस भेजना चाहिए। ढाका के विशेषज्ञ एएनएम मुनीरुज़्ज़मान ने कहा कि हसीना का ट्रायल अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप हुआ है। बता दें कि बांग्लादेश में यह पूरा संकट पिछले साल हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद शुरू हुआ, जब जुलाई से अगस्त 2024 के बीच सख्त कार्रवाई में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई, जिसके आधार पर हसीना पर आरोप तय किए गए। उसी माहौल में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी गई थी। हसीना के समय भारत–बांग्लादेश संबंध बेहद करीबी थे, लेकिन उनके हटने के बाद इनमें ठंडक आ गई है। हालांकि हाल ही में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भारत यात्रा के बाद बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल को ढाका आने का निमंत्रण भी दिया है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में हल्की नरमी दिखी है। पूरा मामला फिलहाल बेहद संवेदनशील है और दोनों देशों की कूटनीतिक बातचीत पर सबकी निगाहें लगी हुई हैं।

भारत से लगती सीमा पर चीन लगातार बढ़ा रहा ताकत, हवाईपट्टी से लेकर रेल नेटवर्क तक बनाने में जुटा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच रिश्ते कई मायनों में सुधरते नजर आ रहे हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा से लेकर भारत–चीन हवाई उड़ानों के शुरू होने के मुद्दों के बावजूद सीमा पर चीन की कारस्तानियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। तिब्बत से लगती सीमा पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब लगातार अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुटी हुई है। चीनी सेना ने इस इलाके में रसद केंद्र से लेकर संपर्क मजबूत करने के लिए सुविधाएं स्थापित की हैं। हाल ही में चीन ने तिब्बत में एक ड्रोन (मानवरहित हवाई वाहन) परीक्षण केंद्र की स्थापना की है। माना जा रहा है कि 4300 मीटर की ऊंचाई पर बने इस परीक्षण केंद्र में पीएलए और चीनी ड्रोन निर्माता को इन यूएवी के भीषण मौसम और उच्च ऊंचाई वाले हालातों में परीक्षण में मदद मिलेगी। इस नई एयरफील्ड में एक 720 मीटर लंबी एक हवाईपट्टी, चार हैंगर्स और प्रशासनिक इमारतें शामिल हैं। गौरतलब है कि तिब्बत के पठार का पहाड़ी इलाका और भीषण मौसम सैन्य अभियानों और रसद पहुंचाने की कोशिशों में काफी चुनौतियां पैदा करता है। इस इलाके में तैनात पीएलए के नए रंगरूटों को कई बार ऊंचाई से होने वाली बीमारियों की वजह से अतिरिक्त ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। चीन की ये हरकतें भारत की जमीनी सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। दक्षिणी चीन सागर में उसने फिर से पाई गई जमीन पर सैन्य सुविधाएं स्थापित की हैं। इनमें हथियारों को स्थापिक करने से लेकर मुख्य इलाकों में लगातार उपस्थिति बनाए रखने जैसी चीजें शामिल हैं। अमेरिकी वायुसेना के अंतर्गत आने वाले चीन एयरोस्पेस अध्ययन संस्थान (सीएएसआई) की सितंबर, 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के अंदर और बाहर परिवहन नेटवर्क के अभाव चीनी सेना की भारत की सीमा पर सैन्यबल तैनात करने में एक प्रमुख वजह है। इसकी वजह से चीनी सेना को भंडारण आपूर्ति पर पूरी तरह से निर्भर रहना पड़ता है। तिब्बत और उसके आसपास हालिया सड़क, हवाई और रेल नेटवर्क विस्तार ने चीनी सेना की क्षमता को बढ़ाया है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में बुर्का पहनकर पहुंची महिला सांसद, सदन में आने पर पाबंदी, हुई ये कार्रवाई

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की एक सांसद को मंगलवार को सदन में बुर्का पहनकर आने की वजह से इस साल के लिए संसद सत्र में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई सांसद पॉलीन हैनसन राष्ट्रीय स्तर पर बुर्का पर प्रतिबंध के लिए अभियान चला रही हैं। मुस्लिम विरोधी, आव्रजन विरोधी वन नेशन माइनर पार्टी की 71 वर्षीय नेता पॉलीन हैनसन पर सोमवार को अपमानजनक कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। दरअसल, वह सिर से टखने तक का कपड़ा पहनकर सदन में गईं थीं। इस तरह से हैनसन अपने साथी सांसदों का विरोध जता रही थीं, जो उनके सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का और पूरे चेहरे को ढकने वाले अन्य कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर चर्चा से इनकार कर रहे थे। सांसदों ने उन्हें सोमवार को बचे हुए दिन के लिए

निलंबित कर दिया था। वहीं, माफी न मांगने पर सांसदों ने मंगलवार को एक निंदा प्रस्ताव पारित किया। ये प्रस्ताव हाल के दशकों में किसी सीनेटर के खिलाफ सबसे कठोर दंडों में से एक था। उन्हें लगातार सात दिनों तक सीनेट की बैठक में भाग लेने से रोक दिया गया। सीनेट के इस साल के सत्र का आखिरी दिन 27 नवंबर को होगा। हालांकि, अगले वर्ष फरवरी में जब संसद फिर शुरू होगी, तब भी हैनसन का निलंबन जारी रहेगा। हैनसन ने बाद में मीडिया से कहा कि उनका फैसला सहयोगी सांसद नहीं, 2028 में होने वाले अगले चुनाव में मतदाता करेंगे। उन्होंने कहा, श्वे बुर्के पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहते थे, फिर भी उन्होंने मुझे संसद में इसे पहनने का अधिकार नहीं दिया। संसद में कोई ड्रेस कोड नहीं है, फिर भी मुझे इसे पहनने की अनुमति नहीं है। इसलिए मेरे लिए यह पाखंड है। हैनसन ने 2017 में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन में बुर्का पहनकर हंगामा खड़ा कर दिया था। उस दौरान उन्हें सजा नहीं मिली थी। ऑस्ट्रेलियाई संसद में सरकार की नेता और मलेशियाई मूल की पेनी वोंग ने मंगलवार को निंदा प्रस्ताव पेश किया। वोंग ने कहा कि बुर्का पहनकर हैनसन ने एक पूरे धर्म का मजाक उड़ाया और उसे बदनाम किया, जिसका पालन 28 मिलियन की आबादी में से लगभग 1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई लोग करते हैं।

इस्राइली पीएम नेतन्याहू का भारत दौरा फिर टला, इस साल तीसरी बार हुआ ऐसा; क्या है वजह?

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस साल के अंत में भारत की यात्रा पर आने वाले थे, लेकिन अब एक बार फिर उन्होंने अपनी इस यात्रा को टाल दिया है। उनकी यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए तय की गई थी। सूत्रों के अनुसार, यह कदम नई दिल्ली में हुए एक भयानक आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से उठाया गया है। इस हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट की माने तो नेतन्याहू अब अगले साल नई तारीख तय करेंगे, जब सुरक्षा परिस्थितियों का आकलन हो जाएगा। बता दें कि इस बार को लगाकर इस साल इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने तीन बार भारत की यात्रा रद्द की है। पहले उन्होंने नौ सितंबर को भारत यात्रा रद्द की थी। इसका कारण था इस्राइल में 17 सितंबर को होने वाले चुनाव और उससे जुड़े कार्यक्रम। इसके पहले अप्रैल में भी उनकी यात्रा रद्द हो गई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।